

ਠਾਕੁਰ ਮੁਖ ਅਤੇ ਪ੍ਰਿਯੰਨਾ, ਹੁਲਟਰ ਪ੍ਰੈਵ
ਦਾਵਿਗ ਲਿਗ ਸੀਰੀਜ਼ ਪ੍ਰਕਾਸ਼
ਪੰਜਾਬ ਪੰਜਾਬ ।

ਮੁਲਾਕਾ - 4008 ਕੁਝ 08/10/2625 ਮੁਲਾਕਾ 10/73 ਚਿਨਾਂ - ਲੜਕਾਤ ਮੁਲਾਕਾ, 23, 1979 ।

ਉਮਰ ਅਧਿਕਾਰੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰਿਯੰਨਾ/ਠਾਕੁਰੀਆ,
ਦਾਵਿਗ ਲਿਗ ਸੀਰੀਜ਼ ।

ਖਿਬਾਹ:- ਠਾਕੁਰੀਆ ਰੀਡਾਰਿਓ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਲਿਭਾਤਿ ।

ਤੁਹਾਨੂੰ ਖਿਬਾਹ ਪਰ ਰੂਪਾ ਇਥੇ ਠਾਕੁਰੀਆ ਨੂੰ 9 ਕੁਝ 08/10/2625 ਮੁਲਾਕਾ
/73 ਚਿਨਾਂ - 15-2-79 ਨਾ ਅਧਿਕਾਰੀ ਅਤੇ ਯਿਉਮੈ ਵਾਲੀਆਂ ਨੂੰ ਪਾਣੀ ਲਿਭਾਤਿ ਪਰ ਆਵਾਜ਼ਾਂ
ਦਿੱਤੀ ਕੇਤੇ ਪਾਣੀ ਜਾਰੀ ਕਿਵੇਂ ਮਹੋਂ ।

ਇਹ ਪੁਰਾਣਾ ਸਾਡਾ ਜਾਤਾ ਹੈ ਕਿ ਇਹ ਪਾਣੀ ਲਿਭਾਤਿ ਪੇਖਲ ਨਾਲੋਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਦਿੱਤੀ
ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਦਿਵਾਨਿਤ ਠਾਕੁਰੀਆ ਰੀਡਾਰਿਓ ਵਾਲੀਆਂ ਨੂੰ ਰੀਡੇ ।

50/- | ਏਤੋਹੀਓਹੀ।
ਕੁਝ ਮੁਢਲ ਅਤੇ ਪ੍ਰਿਯੰਨਾ,
ਦਾਵਿਗ ਲਿਗ ।

ਪ੍ਰਿਯੰਨਾ ਉਮਰ ਅਧਿਕਾਰੀ ਰੀਡਾਰਿਓ ਨੂੰ ਸੁਖਦਾਰੀ ਦਿੱਤੀ ਕੇ
ਦੇਂਦੀ ਹੈ ।

W.M.

50/- | ਏਤੋਹੀਓਹੀ।
ਕੁਝ ਸੁਡਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰਿਯੰਨਾ,
ਦਾਵਿਗ ਲਿਗ ।

ॐ तत् त्वं प्रभु अमियन्ता
सार्ववीक्षण विश्वामीष विश्वामीष
पूर्णां विश्वामीष ।

संख्या ७ कक्षुलीयी/252ई/73

तिथि विश्वामी- 15 जनवरी 1979 ।

देवा मे,

समस्त उचितास्ती उमियन्ता
जाय उचित, विश्वामीष विश्वामीष शाई, सार्ववीक्षण।

विषय:- जाय प्रसारित उमिया रियों दे परोक्षति दे सम्बन्ध में ।

जास्तकोष्ठ संख्या ४०९ कक्षुलीयी/२३ सार्ववीक्षण-६०कक्षुलीयी/७८, विश्वामी-
१८-१२-७८ में विभिन्न प्राकेतों दे उचितार विश्वामीष विश्वामीष दो सूचतावृत्त पर्यं जायशयं उचित-
दाली हेतु विष्ये जाते हैः-

१- जायप्रसारित उमियन्ता व माला दे परोक्षो पर विश्वित जी प्रबलित प्रवा दे उचितार
उलीक्षण की घटि लंग वाला ओं जाम वाला है और उस जाय दे लिये उपुत्ता है, इतिवर दे
पर उल जायशयंताउचितार विश्वामीष जिया जा सकता है।

२- बैठि इतिवर दे पर दे उचितारवायित्व उलीक्षण दे पर उस जी उपेक्षा उचिता भूलक्षण
है, उक्त इतिवर दे उचित एव पर उसी गवी देवा इतीक्षण दे पर विश्वित विष्ये जाते हैं प्रयो-
जनावृत्त जायप्रिता जी जाय ।

एक जी लिंग विष्ये जाते हैं उस इतिवर दे पर एव पर उसी विश्वित जी विश्वित जिया
जाय जिसे पाल इतिविन्द्र लाहरेंग हो। इतिविन्द्र लाहरेंग जी शर्त जिक्कावृत्त है।

५०/-
अतिलीपि समस्त उचितावन्ता/विश्वामीष उचितेष्वामीष दो सूचतावृत्त ।

५०/-
दूसरे मुक्त उचितावन्ता ।

माला

ठार्डालय मुक्त अधिकारी, दूरलर प्रेषण
वाचन विभाग, नियोग विभाग
दर्शाव देने ।

मंस्या- 4008 क्रमांक ०/२६२५ क्रमांक ०/७३ नियां- तारीख, २३, १९७९ ।

मरता अधिकारी अधिकारी/ठार्डाली,
साठीत०पि०, नियोग०ड० ।

प्रियजन:- ठार्डाली इच्छारियों की पढ़ोन्हति ।

उपरोक्त विषय पर दृष्टा कह ठार्डालय हे एओ० ९ क्रमांक ०/२५२ क्रमांक
०/७३ दिनांक- १५-२-७९ ठा अवासोन्न दैरे विज्ञेन इलाले तो वाला हे एवं पर आवश्यकतामुळे
पढ़ोन्हति हेतु आपेक्षा बाबी ठिके थेते ।

यह दुक्षः स्पष्ट ठिका आला है तो एवं पढ़ोन्हति देखत ठार्डा प्रवारित रहीले ।
ठिके हेतु ठिके ठिके ठिके ठिके ।

८०/११ एकांकी०ग्रंथी ।
दृते मुक्त अधिकारी,
साठीत०पि० ।

प्रतिलिपि दरता अधोलिपि अधिकारीयों तो दृष्टाव एवं आवश्यक ठार्डाली हेतु
देखिया ।

८०/११ एकांकी०ग्रंथी ।
दृते मुक्त अधिकारी,
साठीत०पि० ।

कार्यालय मुख्य अभियन्ता स्तर-1
उत्तरांचल लोक निर्माण विभाग, देहरादून।

पत्र संख्या:-268 / 7का०प्र०-उत्तरांचल / 2005,

दिनांक— || 3.2005

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता (गढ़वाल/कुमार्य)होत्र,
लोक निर्माण विभाग, पौड़ी/अल्मोड़ा।

विषय:- नियमित वलीनर की चालक के पद पर पदोन्नति के सम्बन्ध में।

मुख्य अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग, लखनऊ के पत्र संख्या-6568 डब्लू.सी.
/ 252 डब्लू.सी. / 73, दि०-25.9.79, के अनुसार जो नियमित वलीनर तीन वर्ष तक वाहन
चालक का कार्य कर चुका है, वह चालक के पद पर पदोन्नति के पात्र हो जाते हैं।

अधीक्षण अभियन्ता 49 वां वि०/यां०वृत्त लो०नि०विभाग, देहरादून से प्राप्त
आख्या के अनुसार चालकों के कुल 385 पद स्वीकृत हैं, जिनके विरुद्ध 292 चालक कार्यरत
हैं। इस प्रकार 93 पद चालकों के रिक्त हैं। इन 93 पदों में 89 पद कोटे से भरे जाने हैं, तथा
चार पद सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों से भरे जाने हैं। सामान्य श्रेणी के रिक्त पद पर
नियमितीकरण हेतु प्रस्ताव अधीक्षण अभियन्ता 49 वां वि०/यां०वृत्त लो०नि०विभाग, देहरादून
से मांगे गये हैं। शेष 89 पद आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों से भरे जाने हैं।

नोडल खण्डों एवं अधीक्षण अभियन्ता 29 वां वृत्त वि०/यां० लो०नि० विभाग,
हल्दानी से प्राप्त अभिलेखों/सूचना के आधार पर अनुसूचित जाति के नियमित वलीनर
निम्न हैं:-

क्र. सं.	नाम	पिता का नाम	खण्ड का नाम	नियुक्ति तिथि नियमित में
1	श्री गोपाल राम	श्री चन्द्रीराम	प्रा०ख०डीडीहाट	1.3.80
2	श्री राजकुमार	श्री केशर राम	—तदैव—	1.5.89
3	श्री मक्तु	श्री शोभनीय	निला०बड़कोट	1.11.91
4	श्री कैलाश	श्री जगजीवन राम	निला०देहरादून	17.6.94
5	श्री लक्ष्मण दास	श्री भरपूर दास	रा०गा०ख०उत्तरकाशी	1.3.95

१	श्री ओमप्रकाश	श्री वीर सिंह	निर्खोटिहरी	13.11.95
२	श्री सुखवीर सिंह	श्री हरनन्द सिंह	प्रांखोहरिद्वार	23.11.95
३	श्री गुमान सिंह	श्री दलीप सिंह	अंखोचकराता	23.11.95
४	श्री विजेन्द्र सिंह	श्री सूवा सिंह	प्रांखोदेहरादून	23.11.95
५	श्री प्रेम सिंह	श्री मूलचन्द	प्रांखोलैन्सडौन	22.1.96
६	श्री प्रेमलाल	श्री कुन्दनलाल	अंखोथल्यूह	1.4.97
७	श्री बालम सिंह	श्री वर्क सिंह	अंखोचकराता	26.6.97
८	श्री बाली राम	श्री जगतराम	प्रांखोनैनीताल	2.1.98
९	श्री रमेश चन्द	श्री सूरत प्रकाश	निर्खोरानीखेत	20.3.98
१०	श्री रमेश चन्द	श्री सूरत प्रकाश	प्रांखोलैन्सडौन	21.3.98
११	श्री भगवान दास	श्री गोकुल	प्रांखोबागेश्वर	14.10.98
१२	श्री जगदीश राम	श्री दीवानी राम	प्रांखोरुद्रपुर	13.11.98
१३	श्री जगदीश राम	श्री भवानी राम	निर्खोनैनीताल	21.11.98
१४	श्री कौशल राम	श्री मिठाईराम	अंखोक्तविकेश	5.6.99
१५	श्री श्रीचन्द	श्री रतिराम	प्रांखोहरिद्वार	6.8.99
१६	श्री नन्दलाल	श्री विद्याराम	निर्खोखटीमा	8.9.99
१७	श्री जगदीश राम	श्री नैनराम	प्रांखोडीढीहाट	4.5.02

अतः आरक्षण कोटा पूर्ण करने हेतु पत्र संख्या-6568डब्लू.सी./252डब्लू.सी., दिन-25.9.79, की छाया प्रति इस आशय के साथ संलग्न प्रेषित है कि उपरोक्त सूची के अनुसार अपने-अपने क्षेत्र में कार्यरत आरक्षित श्रेणी के नियमित वलीनर जिनके द्वारा तीन वर्षों तक लगातार चालक का कार्य किया गया हो तथा जिनके पास वैध लाईसेंस हो एवं चालक का कार्य करने की पूर्ण अहर्ता रखते हो की पदोन्नति चालक के पद पर करते हुए इस कार्यालय को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

संलग्न:- उपरोक्तानुसार प्रमुख अभियन्ता का पत्र।

प्रभारी मुख्य अभियन्ता स्तर-१
लोक निर्माण विभाग, देहरादून।

१०-३-०५
प्रभारी अभियन्ता

१) प्रभारी अभियन्ता देहरादून का अधिकारी, जो अधिकारी का देहरादून का अधिकारी है।

२) प्रभारी अभियन्ता देहरादून का अधिकारी, जो अधिकारी का देहरादून का अधिकारी है।

प्रभारी अभियन्ता स्तर-१
लोक अधिकारी, देहरादून
देहरादून

प्रभारी अभियन्ता स्तर-१
लोक अधिकारी, देहरादून
देहरादून

कामियां सम्बन्धिता, उत्तर प्रदेश
प्राक्तिक विभागीय संस्थान
कामियां संस्थान।

५५८४३००००/२५२३०००/७३ दिनांक दातार, २५

१९७९

कामियां सम्बन्धिता,
उत्तर प्रदेश संस्थान,
प्राक्तिक विभागीय संस्थान,

File No. २२१५८/३६७
Forward Reference
Serial No. २१५८/३२१
Rock Reference

नियमित क्लीनर्स की दातार के घर पर परोक्षता।

ऐ नियमित क्लीनर्स को दिनांक १३-७० या ऐसी घट्टी से लेकर दातार
पर्वत या रेलवे दातार का छाई दर्जे के लिए दिनांक १३-७३ तक तय
हो जाएगा तो उसी तर्थे के लिए लिया है, दिनांक १३-७७ से नियमित लिया
हो जाएगा, या ऐसा दातार के घर पर परोक्षता की दृष्टि से खाल ही रहता है।

याप दूषण उपकृत वसीनों के लिये आपलायनामुक्त नियमित लिए जाएंगा
जबकि, क्या ऐसा दातार के घरों की मुंह, इप वार्तात्व से वहें तथा अल्लै घर
होने के जारीना राष्ट्रीय विभागीय संस्थान अवगत नहीं है, तरीकता न स्थानांतर-
प्रयोग में बोकता है बुलारा परोक्षता करें तका इस कानूनिय की दृत वार्षिकी

करो।



१३३६८

२१५८/३२१

कामियां सम्बन्धिता

संग्रहीत

जायर्सिंह सुख्य अभियन्ता दबाव ट्रेन
लोक नियमित रूपाग, पटडी

पत्रांक: ६७८ / ४५५ का. द्वा. ०-५३०/०५,

दिनांक: १-३-०५

: जायर्सिंह-जायर्सिंह:

मुख्य अभियन्ता स्तर-। लोकनियमित दबाव ट्रेन के पश्च नं ०२६८/जायर्सिंह ०-५३०/०५, दिनांक ११-३-२००५ ने उम्मालन में गड़वाल ब्रेक के अंतर्गत कार्यरत नियमित नियमित जीवन और अनुचित बातों की पढ़ोन्नति बालक के पश्च पर वैतनमान ३३०-४५९० पर करते हुए उनके नाम के सम्बन्ध अंतिम छुड़ाओं में लैनाली के आदेश एलद्वारा दिये जाते हैं।

योगदान अर्हते समय इन पढ़ोन्नति बालकों के बैध स्थाईवंग लाइसेन्स की सहायिता प्राप्त कर सी जाए जिनके पास बैध स्थाईवंग न हो उन्हें किसी भी दशा में पढ़ोन्नति पश्च पर योगदान न करने पर्याप्त जाए। ऐसा को सूचना हुरन्त इच्छा कार्यालय को उपलब्धकरायी जाए। सम्बन्धित अधीक्षण अभियन्ता यदि यह महसूस करते हैं तो वर्तमान लैनाली छुड़ा के अंतिरिक्ष उन्हें जिसी अन्य छुड़ा में बालक की आवश्यकता होती है तो वे उपर्युक्त स्तर से समाप्तोंन की कार्यवाही कर लें।

योगदान करना अनिवार्य होगा।

क्र.सं। नाम	पिता का नाम	कर्मसाथ लाल	पढ़ोन्नति पर लैनाली का उप
१-लर्ड श्री भगवृ	श्री हौमनीय निलालबडोट निलालबडोट		
२- लैला कृष्ण	, जगवीयन राम निल.देहरादून निल.देहरादून		
३- लैलमादास	, भरपुरदास रामा ल.कालीरा.ला.उ.उ.		
४- जोसुजाला	, जीरकिल निल.व.टिली निल.व.टिलरी		
५- मुखबीर सिंह	, हरिननद विलप्रा.छ.हरिदार प्रा.छ.हरिदार		
६- गुमानसिंह	, इतीदसिंह अ.ल.बकरौदा अ.ल.बकरौदा		
७- विजेन्द्रसिंह	, जोबाचिह प्रा.छ.देहरादून प्रा.छ.देहरादून		
८- प्रेमसिंह	, मूलचन्द्र परा.छ.लैलालौम प्रा.स.लैलालौम		
९- प्रेमलाल	, हुनदक्षाल अ.ल.पिलाह अ.ल.पालद्वारा		
१०- बन्दननेत्र	, कर्ण दिल अ.ल.बकरौदा अ.ल.बकरौदा		
११- कौशलराम	, मिठाईराम अ.ल.झीलेश अ.ल.झीलेश		
१२- श्रीवन्द्य	, रतिराम प्रा.छ.हरिदार प्रा.छ.हरिदार		
१३- रमेशबन्दु	, सूरतुषाला प्रा.छ.लैलालौम प्रा.छ.लैलालौम		

द्वा-
मुख्य अभियन्ता विवरण देखें।

11211

प्रतिलिपि उच्चीकाण्डा अभियन्ता वा तुल्य, तो निव
उदरोक्तातुसार हृष्णार्थ एवं जायश्यक गांधारी हेतु
प्रेषण ।

प्रतिलिपि अधिकासी अधिकान्ता

लगड़, लोनिव.

मुहय अभियन्ता गांधारी वेत्ता
८५. तो निव ०१३० १३३

उत्तर प्रदेश सरकार
प्रान्तिक उन्नास-१,
तिथा: ३/१२/९३-४-१/१९९३,
तिथि, दिनांक: १५ : अक्टूबर, १९९३
डाक्टर बना

प्रतीक्षा

तंविधान के अनुच्छेद-३०९ के परन्तु आरा प्रवृत्ति का प्रयोग करके और इस विषय पर समस्त विधान नियमों और आदेशों का अस्तित्व बनाए तरह आज्ञान उत्तर प्रदेश तरह विभाग द्वाहवर तेवा में भर्ती और उन्हें नियुक्त व्यावधियों की तेवा दी जर्ती को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

उत्तर प्रदेश सरकारी विभाग द्वाहवर तेवा नियमावली, १९९३

संविधान नाम

भाग-।— सामान्य

संधिद्वान नाम १.१.१ यह नियमावली उत्तर प्रदेश सरकारी विभाग द्वाहवर तेवा नियमावली, और प्रारम्भ १९९३ की जाएगी।

२. यह एक सरकारी विभाग या जारीनी में द्वाहवर तेवा में समूह "ग" के पद संवाधिकार हैं।

तेवा दी ३. यही सरकारी विभाग या जारीनी में द्वाहवर तेवा में समूह "ग" के पद संवाधिकार हैं।

इन नियमों का नाम तात्परता ४. यह नियमावली तंविधान के अनुच्छेद-३०९ के परन्तु जीवन राज्यपाल की नियमावली बनाने की विधि के अधीन जीवन सरकारी विभाग या जारीनी में द्वाहवरों पर तात्परता होगी।

उत्तर प्रदेश ५. यह नियमावली संविधान के अनुच्छेद-३०९ के परन्तु जीवन राज्यपाल द्वारा बनाये गये विनियमों या उत्तम प्रवृत्ति आदेशों में दी गयी यही नियमावली वाल के होते हुए भी प्रभावी होगी।

परिमाणार्थी ६. यह तदे विषय या संदर्भ में कोई प्रतिकूल वात न हो इस नियमावली में:-

७. "नियुक्त प्राधिकारी" वा तात्पर्य, ज्ञातिपति, तुलना तेवानियन्त्रिय या फार्माजिक अनुदेशों के अधीन यही सरकारी विभाग या जारीनी में द्वाहवर के पद पर नियुक्त रखने के लिए तमस्त जीवन प्राधिकारी है;

८. "वारत वा नागरिक" वा तात्पर्य ऐसे व्यक्ति हैं जो तंविधान के भाग १ के अधीन सारत वा नागरिक हो या तद्वा वाच;

- [१] *तंत्रिधान का तात्पर्य *भारत का तंत्रिधान ते है;
- [२] *तरकार का तात्पर्य उत्तार प्रदेश की सरकार ते है;
- [३.] *तेवा जा तदस्य * जा तात्पर्य तेवा के लंबर्ग में फिरी पद पर इह निपामाकली या इस निपामाकली के प्रातम्ब दोनों के पूर्व प्रवृत्त नियमों पर आदेशों के अधीन भौलिक स्वर्ग ते नियुक्त व्यापेता ते है;
- [४.] *तेवा* का तात्पर्य फिरी सरकारी विभाग दा नामांत्रिय में व्यातिखिति तुलंगत तेवा-निपामाकलीदों पर लार्यवारी अनुदेशों के अधीन द्वावर तेवा ते है;
- [५.] *भौलिक नियुक्ति* जा तात्पर्य तेवा के लंबर्ग में फिरी पद पर ऐसी नियुक्ति ते है जो लद्ये नियुक्ति न हो और नियमों के अनुसार यहन के पश्चात भी गयी हो और यदि होई नियम न हो, तो तरकार द्वारा जारी रखे गये कार्यपालक अनुदेशों द्वारा तात्पर्य विहित प्रक्रिया के अनुसार भी गई हो;
- [६.] *भर्ती का वर्ष* जा तात्पर्य जिसी क्लोण्डर वर्ष जी पहली जुलाई ते प्रातम्ब दोनों वाली बारह मास जी अवधि ते है;

भाग-दो—तीर्त्थ

- तेवा .D
लंबर्ग १. प्रत्येक तरकारी विभाग या लार्यवार में तेवा की तदस्य तैयार, उत्तरी होनी जितनी, व्यातिखिति, तुलंगत तेवा निपामादतियों पर लार्यपालक अनुदेशों के अधीन तम्य-तम्य पर तरकार द्वारा, अवधारित भी जाय।

भाग-तीन—भर्ती

- भर्ती का श्रोत ७. तेवा में फिरी पद पर भर्ती तीर्त्थी भर्ती द्वारा जी जायगी।
जारध्य ८. अनुत्तूषित वालियों, अनुत्तूषित जनकातियों और उन्य श्रेणियों के उच्चार्यों के लिए आरध्य, भर्ती के तम्य प्रवृत्त तरकार के आदेशों के अनुसार विधा जायगा।

भाग-चार—भर्तीपाँ

- राजिद्वलता ९. तेवा में फिरी एद पर भीर्ती भर्ती के लिए जाकरक है कि अधर्मी:-
कुकु भारत जा नानरिक हो, या

(३) तिब्बती भरपार्ही हो, जो भारत में स्थापी निवास के अभियान से पहली जनवरी, 1952 के पूर्व भारत आगा हो, या

(४) भारतीय उद्घाव जा ऐसा अप्रैक्ष दोषित हो। भारत में स्थापी निवास के अभियान से पांचतान, वर्मा, श्री लंडा या किसी पूर्वी अफ्रीकी देश के निवासी, सुगांडा और यूनाइटेड रिपब्लिक आफ व तन्जानिया पूर्वी तांगानिका और जंजीवारा से प्रव्रश्यन किया हो;

परन्तु उपर्युक्त केवी {ख} पा {ग} के अधिकारी को ऐसा किसी दोनों पांचिर जिसके पश्च में राज्य भरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण-पत्र जारी किया गया हो:

परन्तु यह जौर कि केवी {ख} के अधिकारी हो यह भी अधिकारी को जाएगी तो यह पुनित उप महानिरीक्षक, अभितृप्तना शाखा, १०७० से पात्रता का प्रमाण-पत्र प्राप्त करते हैं:

परन्तु यह भी कि यदि कोई अधिकारी उपर्युक्त केवी {ग} का हो तो पात्रता का प्रमाण-पत्र सक कर्ता हो अधिक अधिक लिए जारी नहीं किया जायगा और ऐसे अधिकारी को सक कर्ता ही अधिक के जागे तेवा में इस गति पर रहने दिया जायगा कि यह भारत भी नागरिकता प्राप्त करते हैं।

टिप्पणी: ऐसे अधिकारी को जिसके भास्त्रे में पात्रता का प्रमाण-पत्र आवश्यक हो किन्तु वह न तो जारी किया गया हो और न देने से इन्हाँर दिया जा गया हो, किसी पर्याप्त या साधारणार में सम्मिलित किया जा सकता है और उसे इस शर्त पर अनन्तिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है कि अप्रैक्ष-प्रमाण-पत्र उत्तरैद्वारा प्राप्त और लिया जाय या उसके पश्च में जारी भर दिया जाय।

10. तीसी भर्ती के लिये यह आवश्यक है कि अधिकारी ने भार्ती के कर्ता ही, जिसमें रिक्तवाँ फिरापिका या अधिकृति की जायं पहली जुलाई से छहकीस कर्ता द्वारा प्राप्त कर तो हो और बत्तीस कर्ता हो अधिक आयु प्राप्त न ही हो;

परन्तु अनुसूचित जाक्षियाँ, अनुसूचित जनजातियाँ और ऐसी अन्य ब्रेक्षियाँ हैं जो भरकार द्वारा तमस-नामय पर अधिकृति हो जायं, अधिकृति की दशा में उच्चतर आयु तीस उत्तरे कर्ता अधिक होगी जिसनी-धिनिर्दिक्षित हो जाय।

ग्रामिक और
शैक्षिक अहंतासं

11. तेवा में तीर्थी भर्ती के लिये अम्बर्ही की निम्न अहंतारं होनी आवश्यक हैः-

{एव} किंतु भान्यता प्राप्ति शैक्षिक शिक्षा से झाठबों क्षण की परोधा उत्तीर्ण कर ली हो, और

{दो} पर्यास्थति भारी ए हल्दे वाहन लगाने वा बैप इंडियन लाईसेंस अन्यम्-16 के जरूरी रिगिस्ट्रेशन के तेवाल्डोजन जार्फालिय जो आधे-हूँचित लिये जाने वे देनांक के गुर्वे ते तीन वर्षे ते अन्यून जवधि जा रखता हो।

आधिकारी
अहंता

12. अन्य भर्ती के अभान उन्ने पर भर्ती के मामले में ऐसे अम्बर्ही जो तेवा में जांयेभान दिया जाप्ता जितने:-

{एव} माध्यमिक जिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की हाईस्कूल परीवा उत्तीर्ण कर ली हो;

{दो} वाहन धाकिली का ज्ञान हो;

{तीन} प्रादेशिक लेना में न्यूनतम दो वर्षे की जवधि तक तेवा जी हो;

13. तेवा में भर्ती के लिये अम्बर्ही का चरित्र ऐता होना याहिस वि वह तरजारी तेवा में तेवाल्डोजन के लिस तभी प्रकार से उपयुक्त हो तके।

अन्युचित प्राप्तजारी इत सम्बन्ध में अपना तमाधान कर लेगा,

टिप्पणी:- तेव तरजार पा किंतु राज्य तरजार या स्थानीय प्राधिकारी द्वारा या तेव तरजार या राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन पा नियंत्रणाधीन किंतु निगम या निकाय द्वारा पद-पुत व्यक्ति तेवा में किंतु पद परनियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगें। पैतिल अपमता के किंतु अपराप के लिये दोष तिल व्यक्ति भी पात्र नहीं होगें।

तेवाल्डो
जितनी

14. तेवा में भर्ती के लिये ऐता पुर्ण अम्बर्ही पात्र न होगा जितनी एव हे जांधिक पातिनपा जीकिए हों या ऐती मालिना अम्बर्ही पात्र न होगो जितने ऐते पुरुष ते विवाह लिया हो जितनी पहले ते एक पालनी जीकेत हो;

परन्तु तरजार जिसी व्यक्ति को इत नियम के प्रधान ते छूट दे तरजी है वह उत्तमा यह तमाङ्गान हो जाय कि ऐता जरने के लिए विशेष शरण विभान है।

रारीरेक स्वत्त्वता

15. किसी छपाईत दो तेवा में नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक डि मानसिंह और शारीरिक दृष्टि ते उत्तम स्थान्त्रय जग्हा न हो और वह किसी ऐसे शारीरिक दोष से मुक्त न हो जिससे उसे अपने अधिकारी द्वादशापूर्वक पालन करने में जाधा बड़े भी सम्भावना हो। किसी अधिकारी दो तेवा में नियुक्ति के लिए अनितम रूप ते अनुभौदित किये जाने के पूर्व उससे यह अपेक्षा की जायगी कि वह काइनेशिंग हैण्ड चुड़, चण्ड-दो, भाग तीन के अध्यक्ष तीन में दिये गये कण्डामैटल ल्ल-10 के अधीन बनाये गये नियमों के अनुत्तार स्थान्त्रा प्रमाण-पत्र प्राप्त हो जें।

आग गांध— भर्ती की प्रक्रिया

रिक्तिदर्दी जा
दातारण

16. नियुक्ति प्राप्तिकारी वर्ष के दीर्घान मरी जाने वाली रिक्तियों दो तीनों और नियम-8 के अधीन अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य छोप्यवों के अध्यार्थियों के लिए आरंभित भी जाने वाली रिक्तियों दो तीनों भी अवधारित करेगा। नियुक्ति प्राप्तिकारी तत्त्वमय प्रतुता नरजार के नियमों और आदेशों के अनुत्तार रिक्तियों तेवायोजन लार्डालिय को अधिसूचित करेगा और वह प्रमुख समाचार पत्रों में रिक्तियों दो विज्ञापित भी करायेगा।

तीयी मर्ती
में प्रक्रिया

17. ११३ तीयी मर्ती के प्रयोजन के लिए एक घयन समिति गठित की जायगी जिसमें निम्नलिखित होंगें:-

१स्फ़्र	नियुक्ति प्राप्तिकारी	अध्यक्ष
२दो	यदि नियुक्ति प्राप्तिकारी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का न हो तो नियुक्ति प्राप्तिकारी द्वारा नाम निर्दिष्ट अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का बोई अधिकारी। यदि नियुक्ति प्राप्तिकारी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो नियुक्ति प्राप्तिकारी द्वारा नाम निर्दिष्ट किया जाने पाला अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से भिन्न बोई अधिकारी—	तदर्स्य
३तीन	नियुक्ति प्राप्तिकारी द्वारा नाम निर्दिष्ट दो अधिकारी जिनमें से एक अल्पतर्हयक सम्मुद्राय वा और दूसरा पिछड़े	

र्धा का होगा। यदि ऐसे उपयुक्त आधिकारी उत्तरे विभाग या संगठन में उपलब्ध न हों तो ऐसे आधिकारी नियुक्त प्राप्तिकारी के ऊपर पर तंबोधत जिला भाजिट्रैट द्वारा नाम निर्दिष्ट छिपे जायें।

तदस्य

॥५॥ संबंधित सम्भाग का सम्भागीय परिवहन अधिकारी या उसका नाम निर्दिष्ट व्यक्ति जो तदापक सम्भागीय परिवहन अधिकारी से निम्न स्तर का न हो।

तदस्य

॥६॥ तीसे ८ तौपादोजन वर्जित्य के माध्यम से प्राप्त आदेदन पत्रों की संख्या नियुक्त प्राप्तिकारी द्वारा की जायेगी जो ऐसे व्यक्तियों को जो इस नियमावली के अधीन अहं हों, साथ-साथ और द्राइविंग परीक्षा के लिये कुनायेंगा।

॥७॥ यद्यन समिति साक्षात्कार और द्राइविंग परीक्षा के पश्चात अधिकारी की उनकी प्रवीणता क्रम में जैता छि साक्षात्कार और द्राइविंग परीक्षा में उनके द्वारा प्राप्त अंकों के प्रोग्रेस से प्रकट हो, एक दूषी तौपाद करेगी। यदि दो या अधिक अधिकारी बराबर-बराबर अंक प्राप्त करें तो यद्यन समिति पद के लिये उनकी तामान्य उपयुक्तता के आधार पर उनके नाम प्रवीणता क्रम में रखेगी। लूपी में नामों जी संख्या विवितार्थों की संख्या से अधिक छिन्न पच्चीत प्राप्तिकार से अनधिक होगी। यद्यन समिति लूपी नियुक्त प्राप्तिकारी को, अनुत्तारित करेगी।

भाग ७:- नियुक्ति, परिवीक्षा, स्वार्यीकरण और ज्ञेन्ठता

नियुक्ति

10. नियुक्त प्राप्तिकारी अधिकारी के नाम उत्ती क्रम में लेकर, जिसमें दो नियम-१७ के अधीन तौपार जी गयी सूची में आये हों, नियुक्तियां जारीगी।
11. यदि इसी एक यद्यन के सम्बन्ध में नियुक्ति के एक से अधिक आदेश जारी किये जायें तो एक संयुक्त आदेश भी जारी किया जायेगा जिसमें व्यक्तियों के नामों का उल्लेख, ज्ञेन्ठता क्रम में किया जायेगा जैसी यद्यन में अवधारित भी जाय।

19. [11] तेपा में दो पद पर मौलिक स्थि ने नियुक्त किये जाने पर प्रत्येक व्याख्या जो दो कई की अधिक हैं तभर परिचया पर वा जायगा।

[12] नियुक्ति प्राप्तिर्वारी ऐसे ग्रामों से जो आमतिथि दिये जाएंगे उनमें भाग-भाग भागों में परिचया अधिक को बढ़ा सकता है जिसमें ऐसा दिनांक विनाईट किया जायगा यह तब अधिक बढ़ाई जाय।

परन्तु आपवादिक परिचयोंमें के लियापर परिचया अधिक हैं दो कई हैं अधिक और जिसी भी लिपतामें दो कई हैं अधिक नहीं बढ़ायी जायगी।

[13] पदि परिचया अधिक या बढ़ायी गयी परिचया अधिक के द्वारा जिसी भी समय पर उसके अन्त में नियुक्ति प्राप्तिर्वारी जो यह प्रतीत हो कि परिचया अधिक व्याख्या से अपने अवतरों का पर्पित आमोग नहीं किया है, पर संतोष प्रदान करने में अन्यथा विकल रहा है, तो उसकी तेवर्यास तभाषत भी जा सकती है।

[14] ऐसा परिचया अधिक व्याख्या, जिसकी तेवर्यास उपनियम[3] के अधीन तभाषत की जायें, जिसी प्रतीकर का उच्चार नहीं होना।

20. जिसी परिचया अधिक व्याख्या हो परिचया अधिक या बढ़ाई गयी परिचया अधिक है अन्त में उसकी नियुक्ति में तथायी छर दिया जायगा, पदि—

[एक] उत्तम छार्ड और आचरण संतोषजनक पाया जाय;

[दो] उत्तम तत्त्वनिष्ठा प्रशापिता छर दी जाय, और

[तीन] नियुक्ति प्राप्तिर्वारी का यह समाधान हो जाय कि वह स्थायी किये जाने के लिए अन्यथा उपयुक्त है।

21. द्वात्रिवर के पदों पर मौलिक स्थि ने नियुक्ति व्याख्यायों की जफेठता समय-समय पर व्या संस्कृत उत्तर प्रदेश तराही तेवक जफेठता नियमावासी, 1991 के अनुसार अधिकारों की जायगी।

22. तेपा में जिसी पद पर नियुक्ति व्याख्या जा अनुग्रन्थ वेतनमात्र ऐसा होगा जैसा तरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित किया जाय।

परिवीक्षा
अधिकारी में
वैतन

23. कांडामैटल लक्ष्म में किती प्रतिकूल उपचार के होते हुए भी, परिवीक्षा-
धीन अपेक्षित थे, यदि वह पहले से स्थायी तरकारी तेवा में न हो, समयमान
में उसकी प्रथम खेतनहृषि तभी दी जायगी जब उसने एक वर्ष जो संतोषजनक तेवा
पूरी जर नी हो, और द्वितीय खेतनहृषि दो कर्व जो तेवा के पश्चात् तभी दी
जायगी जब उसने परिवीक्षा अधिकारी पूरी जर नी हो और उसे स्थायी बी जर
दिया गया हो;

परन्तु यदि संतोष प्रदान न जर जरने के कारण परिवीक्षा अधिकारी
जाय तो इस प्रश्नार बढ़ायी बी अधिकारी गणना करने हो के लिए नहीं ही
जायगी जब तक कि निपुणता प्राप्तिकारी अन्यथा निश्चय न दे।

दखतारोक
पार छरने जा
मानदण्ड

24. किसी द्वाहवर को दखतारोक पार जरने की अनुमति नहीं दी जायेगी
जब तक कि उसका जार्य और आचरण संतोषजनक/वतापा जाय और उसकी
तापानिक्षण प्रमाणित न जर दी जाय।

पर्याप्तता
में नियम

25. तेवा में लागू नियमों के अधीन अपेक्षित तिषारिशों से भिन्न दिनहों
तिषारिशों पर, घावे तिथित हों या भौखिक, विधार नहीं किया जायगा।
किसी अन्यर्थी जो और हे अपनी अभ्यर्थिता के लिए प्रत्यक्ष पा अनुत्यक्ष रूप से
समर्थन प्राप्त जरने जा कोई प्रवास उसे निपुणता के लिए अनहीं कर देगा।

अन्य किशोरों
का विनियमन

26. ऐसे किशोरों के सम्बन्ध में जो विनिर्दिष्ट रूप से इस नियमावली पा
कोश आदेशों के अन्तर्गत न आते हों, तेवा में नियुक्त अपेक्षित राज्य के कार्य-
क्रमों के सम्बन्ध में तेवारत तरकारी सेवाओं पर तामान्यतापा लागू नियमों,
विनियमों और आदेशों द्वारा नियंत्रित होंगे।

तेवा की शर्तों
में शामिलता

27. वहाँ राज्य तरकार का यह समाधान हो जाय कि तेवा में नियुक्त
अपेक्षितों जो तेवा की शर्तों जो विनियमित जरने वाले किसी नियम के प्रवर्तन
ते किसी विजिष्ट भाग्यों में अनुचित कठिनाई होती है, वहाँ वह उस भाग्यों
में लागू नियमों में किसी बात के होते हुए भी, आदेश द्वारा उस नियम की
अपेक्षाओं जो उत्तीभा तक और ऐती झर्तों के अधीन रहते हुए, जिन्हें वह
भाग्यों में न्याय संगत और ताम्यपूर्व रौति से जार्यवाही जरने के लिए आवश्यक
नहीं, अक्षयकृत्या शिखिल जर सकती है;

उपायुक्ति

28. इस नियमावली में किसी बात का कोई प्रभाव ऐसे आरक्षण और
अन्य रियाततों पर नहीं पड़ेगा; किन्तु इस सम्बन्ध में तरकार द्वारा तमन-

तमय पर जारी किये ज्ये सरकार के ग्रामेश्वरों के जनहार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विकेन्द्रियों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध
पिपा जाना अवैधित हो।

आज्ञा से,

Ch.

॥ बालिका प्रतांद ॥
तथिव ।

उत्तर प्रदेश सरकार
 कार्मिक अनुमति-।,
 तिथा: १३/१२/९३-४८-१/१९९३,
 लखनऊ, दिनांक: १४ :अक्टूबर, १९९३ ।^२

♦ दिनांक १४ अक्टूबर, १९९३ को प्रव्याप्ति "उत्तर प्रदेश सरकारी
 विभाग ड्राइवर सेवा नियमाबदी, १९९३" की प्रति निम्नलिखित को तुष्णार्थ
 एवं जाकायक कार्यपादी हेतु प्रियाः-

१. समस्त प्रमुख संचिव/स. इ/विशेष संचिव, २०७० शासन।
२. समस्त विभागाध्यय/प्रमुख कार्यालयाध्यय, २०७।
३. संचिव, राज्यपाल भवीद्यप, २०७०।
४. संचिव, विधायक सभा/विधान परिषद, २०७०।
५. समस्त मण्डलायुक्त/जिला अधिकारी, २०७०।
६. संचिव, लोक सेवा आयोग, २०७० इलाहाबाद।
७. संचिव, अधीनस्थ सेवा व्यवन आयोग, २०७० लखनऊ।
८. निदेशक, २०७० प्रशासनिक अडानी बैनीताल।
९. संचिवालय के समस्त अनुमान।

आगा से,

२०७० अक्टूबर
 ॥ डॉ वीरेंद्र माहेश्वरी ॥

विशेष संचिव।

✓

उत्तर प्रदेश राजकार
नियुक्ति नंमांग-५
संघर्ष ६/१२/१९७३-नियुक्ति -१४०
लखनऊ दिनांक ७ अक्टूबर, १९७४
अधिकारी

भारत के तीव्र धान के अनुच्छेद ३०९ के परन्तुक द्वारा प्रदत्त लोगों का तथा तदर्थ तमस्त उन्य समर्थकारी राजितों का प्रयोग करके, राज्यपाल जा जात में मृत सरकारी लेवडों के आक्रितों और भारत को विनियमित करने के लिये अधिकारी प्रदेश कियावनी बनाते हैं:-

उत्तर प्रदेश तेवा का। में मृत सरकारी लेवरों के आक्रितों की

भारत कियावनी, १९७४

।।। यह नियमावली उत्तर प्रदेश तेवाकात में मृत सरकारी लेवरों के आक्रितों की भारत कियावनी, १९७४ लखनऊपर्यन्ती

।।। १। यह नियमावली २१ दिसम्बर, १९७३ से प्रवृत्त हुई तमाङ्गी जायेगी।

।।। २। यह २१ दिसम्बर, १९७३ से प्रवृत्त हुई तमाङ्गी जायेगी।

।।। ३। जबतक कि सन्दर्भ में उन्यथा अपेक्षित न हो, इस निय-

मावली में

।।। ४। तरकारी लेवरों का तात्पर्य उत्तर प्रदेश के जारीजाप के तम्बन्ध में लेवायोजित ऐसे सरकारी लेवर से है जो

।।। ५। ऐसे लेवायोजन में तथापी धा या

।।। ६। यद्यपि जम्मापी है तथापि ऐसे लेवायोजनों में नियमित

स्थ ते नियुक्त फियां गेया धा: पा

।।। ७। यद्यपि नियमित स्थ के नियुक्त नहीं है, तथापि ऐसे

; लेवायोजनों में नियमित सीन वर्ड की निरन्तर लेवा ही है।

।।। ८। नियमित स्थ ते नियुक्त का तात्पर्य यथाविधाति, पद पर या लेवा या लेवा में भारत के लिये अधिकारी प्रशिक्षा के उत्तर प्रदेश के नियुक्त

लिये जाने से है।

।।। ९। मृत सरकारी लेवरों का तात्पर्य ऐसे तरकारी लेवर से है।

जिसकी मूल्य लेवा में रहते हुये हों जायेः

।।। १०। मुद्राय के ऊन्नर्गत मृत सरकारी लेवर के नियमितिगत तम्बन्धी होंगें।

।।। परन्ती या परि

।।। ११। पुर्व

।।। १२। अधिकारी पुत्रियों तथा धिधावा पुत्रियों

।।। १३। कावलिय जा प्रधान जा तात्पर्य उत धार्यालिय के प्रधान से है जिस धार्यालिय में मृत सरकारी लेवर अपनी मूल्य के पूर्व लेवा-

रत धा।

क्रमांक: २/-

10/11/91

नियमाचारी वा
तागृ किया जाना

इत नियमाचारी
वा अधिकारोंकी
प्रभाव

मूल के बुद्धम्ब
के भित्ति तदस्य
भी भारी ।

तेपायोजन के लिए
पै आपेदन-पत्र की
प्रियाप यस्तु ।

- 3- यह नियमाचारी उन तेपाओं और पदों के टोड़ार जो उत्तर प्रदेश में सेपा आग्रीम के दोनों नामों वाले हैं, उत्तर प्रदेश के कार्डब्लाय के सम्बन्धित लोगों तेवागृहों में और पदों पर मूल तरजार तेवागृहों के आखिरों भी भारी पर तागृहीन होगी ।
- 4- इस नियमाचारी के प्रारम्भ होने के समय प्रदूषक विचारों, पिनियमों, वा आदेशों में उन्नतिपृष्ठ पृष्ठों प्रारंभ होते होते हुए भी, पह नियमाचारी तथा तदाधीन वारी किया जाए जोई जा प्रभावी होगा ।
- 5- यदि इत नियमाचारी के प्रारम्भ होने के पश्चात जिसी तरजारी तेवा भी तेवा काल में मूल हो जाये, तो उसके बुद्धम्ब के रेते सब तदस्य को जो केन्द्रीय तरकार या राज्य तरफार के उदाया केन्द्रीय तरफार या राज्य तरफार के स्थानिकाधीन या उसके द्वारा नियन्त्रित भी नियम के अधीन पहले से तेवा वोचित न हों, इत प्रयोगन के लिये आपेदनकरने पर भारी । तथान्य नियमों को फिराधीन भरते हुए, आपेदनकरने के तरजारी तरजारी तेवा के उपचुक्त तेवायोजन प्रदान किया जायेगा जो राज्य लोकों के लिये अधीन न हो, इन्हुंने प्रतिवचा यह है कि वह सदस्य उस पद के लिये पिछित गौहिक अर्हता रवाता हो तथा वह अन्य प्रजार ते नी तरजारी तेवा मैत्रिये अर्ह हो । ऐसी नीतरी अपिलम् गौर प्रधानाधीन उत्ती प्रियाग ५ दो जानी गाविये जिसमें मूल तरजारी तेवा अपनी मूल्य है पूर्ण तेवा वोचित था ।
- 6- इत नियमाचारी के अधीन नियुक्ति के लिये आपेदन-पत्र जिस पद पर नियुक्त अभियानित है, उस पद के तत्त्वाधीन नियुक्ति प्राधिकारी को तत्त्वाधीन तेवा जायेगा, इन्हुंने यह उस कार्यालय के लिया जायेगा । जहाँ मूल तरकारी तेवा अपनी मूल्य के पूर्ण कार्य कर रहा था । आपेदन-पत्र के, अन्य पातालों के आधा-आधा निम्नलिखित सूचना दी जायेगी:—
- (१) मूल तरकारी तेवा भी मूल्य का दिनांक, वह प्रियाग जहो और यह पद जिस पर उपनी मूल्य के पूर्ण कार्य कर रहा था ।
- (२) मूलक के बुद्धम्ब के तदस्यों के नाम, उनकी आपु तथा अन्य घोरे पिशो-नामग्र उनके प्रियाग, तेवायोजन पदार्थ आव तत्त्वाधीन व्योरे ।
- (३) बुद्धम्ब भी प्रितीय द्वारा जा व्यौता और
- (४) आपेदन की गौहिक तथा अन्य अर्हतायें यदि जोई हों ।

10/11/91

ज्ञान जद उद्दम्य है
गिरि तेजी है
तपो न याहते हैं ।

7- वर्दि वृत्त भरवारी लेखन के उद्दम्य है रागिण
तदस्य इस विमानों के उपरीन सेवा की बन गहरे हैं तो तर
बापरिष वा प्रधान तेपा-जेन बरने के लिये उपरित
की उपरुद्धता जो विविधता होता तमलत उद्दम्य
प्रियोदातवा उत्तरे प्रधान तथा अवश्वद तदस्यों
के इलापा के विवित उत्तरे सम्पूर्ण वित जो भी
ध्यान में राहते हुए निर्गत चिरा जायेगा ।

8- है। इस विवरणी के अधीन नियुक्ति बाहने वाले
उपर्याँ जो आपु नियुक्ति है समय अठारह घण्टा से ऊम
नहीं होनी चाहिये ।

{2} बन के लिये प्रक्रिया सम्बन्धी उपेक्षाओं ते, तथा
लिङ्गित परीक्षा का वयन तमिति द्यारा ताशाल्पार
ते मुख्य भर दिया जायेगा फिरु उपर्याँ पट दिया
प्रियोदातवा प्रधान विवित वार्ता क्षात्रों के न्यूनतम स्तर
को बनाये रखेगा इस बात जो समाधान बरने के उद्देश्य
ते उपर्याँ जो ताशाल्पार बरने के लिये नियुक्ति प्रधिकारी
की राधारीने होगा ।

{3} इस विवरणी के अधीन जोई नियुक्ति के लिये जिती
प्रियोदातवा रिति के बृति जो जायेगी ।

9- जिती उपर्याँ जो नियुक्ति बरने के पूर्व नियुक्ति प्रधिकार
की अना वह समाधान होता है ।

{4} "उपर्याँ" जो परिवर्त ऐसा है कि वह तरजुरी सेग
में तेपा-जेन के लिये सभी कुछ भर से उपरुद्धत है :

टिप्पणी:- तेचा तरजार वा फिती राज्य तरजार उपाय केन्द्रीय
तरजार वा राज्य तरजार के ह्यामिल्याप्पारीन वा उत्तरे
द्यारा नियुक्ति जिती किस द्यारा पदच्युत
द्युक्ति भेजा में नियुक्ति के लिये वात्र नहीं तम्भे जायेंगे ।

{5} वह भानुतिक तथा गारीरिक स्थ ते त्यस्थ्य है और
जिती ऐसे गारीतिक दोष के मुख्य हैं जिनके कारण उसे
द्यारा उपने जीर्णों वा धशतापूर्ण वालन बरने में लाधा
पड़ने ही लम्पापना हो तथा वह नह ते लिये उपर्याँ ते
उस भानुति में पुन नियन्त्रों वै कहार उपरुद्धति चित्तिता
प्रापिकारी उपोहनोंति होने और
ह्यस्त्रिता जो कुनाण-पत्र प्रस्तुत बरने की उपेक्षा जी
जायेगी ।

{6} पुठ्ठा उपर्याँ जो द्यारा हैं, उत्तरी रक्षा ते 31
से उपरिक जीति बरनी न हों और जिती बहिला झन्याचिरी
की द्यारा हैं, उसके ऐते द्याक्षा ने प्रियोदातवा जियालके जिसकी
पहले ते ही एक वर्तनी जीता हो ।

जठिनार्हों जो
दूर करने की
शक्ति ।

10- राष्ट्र तरबार, जो निकलकी है जिसी उपचार के
आर्द्धवर्ष में जिसी जठिनार्ह जो । जिसे फिरना दौड़ने के बारे में
वह समाज निर्माण हीनों, दूर करने के प्रयोगनाथ नहीं लेता
तामाच तो यह विशेष आदेश के लक्ष्य है जिसे वह उपया-
ष्टकार या लोक-क्षिति में गत्तर करा सकती ही नहीं ।

आज्ञा हो,

१ गुलाम हुसैन ।
आमुख सर्व सचिव ।

गोपनीय उम्मा अमिताला, उत्तर प्रदेश
सर्वजनिक तिथिया प्रिया,
व्यापाराधन [छा] गंग

पत्रांक 539 छपडाग /101 छपडा/74 दिनांक लगान्त जनवरी 16, 1975
गोपनीय आदेश तिथा 6-12/1974 नि- [4] दिनांक 7-10-74
आमुख सर्व सचिव निः 350-4 जो प्रतिनिधि निम्नलिखित जो इस
निर्देश के तात्परा दृष्टिकोण से लाभी है वे दृष्टिगत आसन के जादेशों वा वासन
में तथा अधीनस्थ नामियों वा एवं अमुख दरावें सर्व अनुपालन सुनिश्चित
करें ।

- १- तमस्त अधीक्षण अभिपन्ना ताठनिप्रिया, उत्तर प्रदेश
- २- निदेशक अन्येऽपालप, ताठनिप्रिया, लगान्त
- ३- निदेशक फैसल जनतेहपा परिपोजना, लगान्त ।
- ४- निदेशक लेन्द्र नियम लिपि, लगान्त ।

10/11/74

दृष्टि/ उम्मा अमिताला
ताठनिप्रिया.

प्रेषण,

संख्या 37/1/1969 आर्थिक-2

श्रीतंत्रमन कुमार माडवान
सचिव
उत्तर प्रदेश शासन।

लेखांकन,

उमत्त्र विभागध्याद्ध एवं प्रमुख कार्यालयाध्याद्ध,
उत्तर प्रदेश।

कार्मिक उत्तराभाग -2

लखनऊ दिनांक- 19 मई 1975 फू

विषय:- वर्ष-4 के कर्मदातियों के लिए वर्ष-3 में नियमानुसार लेणी के लिपिबद्धीय पदों में
आरक्षण।

महोदय,

मुझे उपरोक्त विषयक शासनदेशा तो 37/1/1969² आर्थिक-2 दिनांक- 21 अक्टूबर
1976 की और आपका ध्यान आकर्षित होते हुए दह फैले का नियमी हुआ है कि शासन ने
विषयों परान्त यह नियम लिया है कि वर्ष-4 के कर्मदातियों के लिए वर्ष-3 में नियम-
तम लेणी के लिपिबद्धीय पदों में वटीनिति के लिए 45 वर्षीय ओ आयु तीमार का जा प्रतिक्रि-
यन्त उत्तर शासनप्रदेशों में तगाया गया है कि यह आवश्यक यस्ती है। कालावस्था
शासनादेश के अन्तिम वर्षों में शब्द * तथा 45 वर्ष से ऊपर आयु ओ न हो, नियम लिये
दिये गये हैं, और शासनादेश इस तीमार तक तीसोंप्रति लिया जाता है।

भवदीय

हमन कुमार माडवान,
सचिव।

संख्या 37/1/1969-1 आर्थिक-2 दिनांक-1-

प्रतिलिपि नियमानुसार ओ तृष्णनार्थ एवं आवश्यक कार्यालयी हेतु प्रेषित :-

1- सचिवालय के तमात्तम उत्तराभाग [तार्जनिक उपोन अनुसूची 320-2] कार्यालय भवन लखनऊ।

2- सचिव, लोक लिया आपौग, उत्तर प्रदेश छत्तीसगढ़।

3- राज्य पाल उत्तर प्रदेश के सचिव।

4- वैत्रियों के नियी सचिव।

5- सचिव, भारत मरकार गवर्नर ऑफ नई दिल्ली।

6- नियमाला कोड ओ उनके उपायानुसार नोट नं 227/नियामालयी लेख/177

दिनांक- 3 मई 1977 के ० अनुदर्शी में।

7- नोपन उत्तरो-1 ओ उनके पत्रोंक- 4/2/1179-लीक्षणी।।। दिनांक- 7 मई 1979
के अनुदर्शी में।

लाप प्रतिलिपि

ज्ञाना रिग्नी दीप्ति
अनुत्तराभाग।

संहायक अभियंता
वर्तीय तमन्त्रम, लोक नियोगी,
लखनऊ।

सी-ग्रामी नाथ चूर्णदी,
आमुका रहने तथा,
उत्तर एशिया गास्त्र ।

तेवामें

लमस्त विभागाध्यत सर्व प्रुव उत्तराध्याध्य
उत्तर प्रदेश ।

कार्मिक अनुसूचि-२

लद्धनउ दिनांक- 21 जनवरी 1976

विषय:- उर्ग -४ के कर्मियारियों के लिए उर्ग -३ में निम्नलिम्ब लेणी के लिपिभौषण व
वर्गीय पदों में आवश्यक ।

महादेव,

मुझे आपका ध्यान आवश्यक भाषण तिं ३७/१/१९६९ -निम्नकिं[ब] दिनांक-
१ बनधर्तो १९७० की ओर आकृद उर्गे का निर्देश हुआ है किंवदं पह निर्देश प्रहालित
किये गये हैं कि किसी कार्यालय में प्रत्येक वर्ष उर्ग -३ निम्नान्त लेणी के लिपिभौषण
वर्गीय पदों में उन्हें वाली एवं उक्त उर्गे के अधिक उत्तराध्याध्यता प्राप्त परीक्षा पास
होनी चाहियारियों के लिनकी आयु ५५ वर्ष से अधिक न-हो , प्रदोन्नति द्वारा उन
प्रतिशत ग्रामीण उदान विद्या जापना । उपरोक्त लेणी का आंशिक संसोधन उसे
हुए ग्रव शासन ने पह निर्णय किया है कि यस कर्मियारों ने घर्व लेणों के पद पर
पाँच वर्ष निर्देश तेवा कर ली हो , पाँच वर्ष स्थाई हो उत्तराध्याध्यता , लिपिक
वर्गीय निम्नलिम्ब लेणी के पदों पर पदोन्नति प्राप्त हो तिर उर्ग होगा परिव वह उर्ग
स्कूल उत्तराध्याध्यता उसे समझा कोई अन्य परीक्षा उत्तीर्ण हो तथा ५५ वर्ष से अधिक आयु
का न हो ।

पूर्खी नाथ चूर्णदी
आमुका सर्व तथिव ।

संख्या ३७/१/१९६९॥॥ कार्मिक -२

प्रतिलिपि निम्नांकित ऊ सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही उर्गे प्रेषित :-

- १- संचियालय के समलै अनुमान ।
- २- संचिय, तोड टेपा आदोग, उत्तर प्रदेश छाड़ीवाद ।
- ३- राज्य पाल उत्तर प्रदेश के संचिय ।
- ४- मंत्रियों / राज्य पाल के किसी संचिय ।
- ५- संचिय, भरत तरडार, ग्रव कार्यालय, नई दिल्ली ।

संचय प्रतिलिपि

जारी हो

बी एन० पोर्ट शोवाल्लय

अनुसंधित ।

संघर्ष अनियंता
पर्वतीय सम्बन्ध, लो० निं० १५०,
नदिनदा।

सर्वोत्तम उत्कृष्ट प्रशिक्षण
सार्वजनिक किसीपुर रेलवे स्टेशन, डल्लूर प्रदेश
काशीपुर, पर्याप्त ।

संख्या 9 कल्पना/2525/73

तिथि 15 फरवरी 1979 ।

देवा ५,

समस्त अधिकारी अधिकारी,
सर्वोत्तम, विभागीय किसीपुर इग्जाइ, सार्वजनिक स्टेशन।

विषय:- ०८५ प्रबारित उम्मीदियों के पदोन्नति के सम्बन्ध में ।

सार्वजनिक संख्या 808 कल्पना/0/23 सार्वजनिक-605 कल्पना/0/78, विषय-
18-12-78 में खिलिय आदेशों के अनुसार विभागीय विदेशों को सूचित एवं आवश्यक ०८५-
वाली हेतु दिये जाते हैं:-

1- ०८५ प्रबारित अधिकारी वाले के दर्दों एवं लिपुरित जी प्रबारित प्रवा के अनुसार
दलीलर की धर्म वह वालठ ठं सम जाकता है और उस ०८५ के लिये उपुत्तर है, आइयर के
एवं अन्य आवश्यकताओं के अनुसार विभाग दिया जा सकता है।

2- दूसरे आइयर के एवं डल्लूर वाली वाले के दर्दों एवं लिपुरित जी प्रबारित प्रवा
है, अतः आइयर के उपुत्तर एवं दर्दों की विवर देवा वाली वाले के एवं लिपुरित जी प्रबारित
वाली आवश्यकताएँ जाय ।

यह जी विदेश दिये जाते हैं ऐ आइयर के एवं पर उसी लिपुरित जी लिपुरित दिया
जाय जिसे पाल छाड़विंग ताइकेंस हो। आइयर के उपुत्तर जी जर्नल अधिकारी है।

50/-
अतिरिक्त उत्कृष्ट प्रशिक्षण। गवर्नर।

प्रतिलिपि समस्त उत्कृष्ट प्रशिक्षण/विदेश उपयोगपात्रों को सूचित है ।

50/-
उत्कृष्ट प्रशिक्षण।

hmc

ઓર્ડરિંગ મુખ્ય અધ્યક્ષના, હસ્તર પ્રવેશ
દાયકાં, ફોન્ટાપ, રિપોર્ટ
દાવાં દાં ।

નંબર - 4008 કાન્પુલી/2625/કાન્પુલી/73 દિનાં - તથાડ શુઠ, 23, 1979.

દાયતું અધ્યક્ષની અધ્યક્ષના/ઓર્ડરિંગ,
ઘાંઝેંઝિં, રિપોર્ટાંડાં ।

રિપોર્ટ - ઓર્ડરિંગ રિપોર્ટોર્ટોર્સ્ ની પરોદ્વાતિ ।

ઉપરોક્ત રિપોર્ટ એ રૂપાં ઈસ ઓર્ડરિંગ ને પત્રાં 9 કાન્પુલી/કાન્પુલી/252/કાન્પુલી/73 દિનાં - 15-2-79 ના અધ્યક્ષને એ જિલ્હે રાનીષણે ગો ધાલ ને એ એ પર આવાયાનું
દાવોદ્વાતિ કેનું આદેશ જારી રિસેપ્ટ મળે હૈનું ।

એ શુઠઃ રસ્તા રિસા જાતા હૈ કે એ એ દાવોદ્વાતિ લેવાં ઓર્ડર પ્રસારિત રાનીષણ
મિલે હૈ કે એ એ રિપોર્ટ ઓર્ડરિંગ રાનીષણે ને રિસેપ્ટ ।

દાં । એટાની/એટાની
શુઠે મુખ્ય અધ્યક્ષના,
ઘાંઝેંઝિં ।

પ્રતિનિધિ દાયતું અધ્યક્ષના/અધ્યક્ષની એ સુધીએ એવું આવશ્યક ઓર્ડરાંની કેનું
દ્રોષિત ।

Wm

દાં । એટાની/એટાની
શુઠે મુખ્ય અધ્યક્ષના,
ઘાંઝેંઝિં ।

वृत्त का नाम :- 12वां वृत्त, लो०नि�०वि०, पौङी गढ़वाल

क्रमांक	वृत्त का नाम	पिता का नाम	जन्म तिथि	जाति	कलीनर/ हैल्पर के पद पर नियमित नियुक्ति की तिथि	नियमित सेवा की अवधि	वालक/ ऑपरेटर का HMV/LMV लाइसेंस निर्गत की तिथि	योग्यता कक्षा-8 पास प्रमाण पत्र	पिछले 5 वर्ष की गोपनीय आख्या का सार	टिप्पणी	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1.	निर्माण खण्ड, लो०नि�०वि०, शीनगर	श्री कुलदीप सिंह	श्री दयाल सिंह	3-7-1965	सामाज्य	1-6-2005	10 वर्ष	19-2-1994 LMV	कक्षा-8 पास	1. वर्ष 2010-11-उत्तम 2. वर्ष 2011-12-उत्तम 3. वर्ष 2012-13-उत्तम 4. वर्ष 2013-14-अंति उत्तम 5. वर्ष 2014-15- —	पदोन्नति के पात्र है।
	—	श्री गोपीनाथ सिंह	श्री गोपीनाथ प्रकाश	4-6-1961	सामाज्य	1-9-2001	13 वर्ष	13-3-1989 RDRLR	कक्षा-5 पास	1. वर्ष 2010-11-उत्तम 2. वर्ष 2011-12-उत्तम 3. वर्ष 2012-13-उत्तम 4. वर्ष 2013-14-अंति उत्तम 5. वर्ष 2014-15- —	पदोन्नति के पात्र नहीं है।

वृत्त का नाम :- सिविल वृत्त, लो०नि�०वि०, हरिद्वार

क्रमांक	वृत्त का नाम	पिता का नाम	जन्म तिथि	जाति	कलीनर/ हैल्पर के पद पर नियमित नियुक्ति की तिथि	नियमित सेवा की अवधि	वालक/ ऑपरेटर का HMV/LMV लाइसेंस निर्गत की तिथि	योग्यता कक्षा-8 पास प्रमाण पत्र	पिछले 5 वर्ष की गोपनीय आख्या का सार	टिप्पणी	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1.	प्रान्तीय खण्ड, लो०नि�०वि०, हरिद्वार	श्री वर्जीर श्री वर्जीर	1-1-1968	पिंजो	12-11-1993	21 वर्ष	28-1-2013 LMV	कक्षा-8 पास	1. वर्ष 2010-11-उत्तम 2. वर्ष 2011-12-उत्तम 3. वर्ष 2012-13- —उत्तम 4. वर्ष 2013-14- — 5. वर्ष 2014-15- —	पदोन्नति के पात्र है।	

अधीक्षण अभियन्ता
11वां विं/ यां० वृत्त, लो०नि�०वि०,
देहरादून।

जायत्रिप्रदृष्ट अभियन्ता उत्तर पुस्तक
गांधी निक निधान निधान,
रवासाईनगंडी लौ

दिनांक 22, 1992

म ७८६९ राष्ट्र/उच्चावधि/०४०३/१८

लोक: अधीक्षा अभियन्ता
गांधी निक निधान निधान

संबोध: आर विदेश के पठ पर चुक्की खेड़ी परी निपुणता अधिकारियों के पठोन्नति।

आर लिपिक के पठ पर स्थीकी भस्ति के लिए गोपनीय राष्ट्रांग आर

नं०- २१ ज्यूलै
है तो गात्र ने
ग-३ गंगानिधान
का वा प्रतिक्रि-
फलेदार
निधान विदेश
में विधान

चुक्की खेड़ी / निपुणता कार्यालयों को इन्होंने तो चुक्की का विधान
गोपनीय हाइस्कूल पास होना है।

ऐसे उम्मीदों पठोन्नति के लिये आरोग्य परीक्षा में जैलने के लिए एक वर्ष
अपेक्षा करना अविवादी है तथा उसकी इयू ५ वर्ष से डिफ़ल नहीं है।

निधान में बहुत से ऐसी चुक्की खेड़ी / निपुणता कार्यालयों के लिए
आरम्भिक्षण पास कर लिया है, एवं पठोन्नति का 10 प्रतिशत ने अटार १५ प्रतिशत
कूटा तेजन वायोग इदारा गोपनीय लिया गया १५ लिये लायन के लिये वायोग कर लिया
है। अतः चुक्की खेड़ी / निपुणता कार्यालयों के लिए विवरण परीक्षाओं में निधान
तेजुल वडों पर अद्यता है तथा जिन्होंने इटारमी लिए पास कर लिया है, उन्होंने वडों
पठोन्नति के लिए विधानीय परीक्षा में लूट दी जाती है तथा ऐसे इटारों की उपाय
लिपिक के पठ पर विधियों के वाले प्रतिशत तथा पठोन्नति इदारा विधान का ली
इच्छाकृति दी जाती है।

पठोन्नति इदारा भी उनी न लूट करेता ।५ प्रतिशत गोपनीयता उत्तरांग
प्रतिशत वायोग नहीं होने पर कूल प्रतिशत कूटा पठोन्नति की परीक्षा में
भाग जाएगा।

कृपया इम सम्बन्ध में जिस चुक्की खेड़ी अधिकारियों तथा निपुणता कार्यालयों
के निधान विदेश के लिये वर्ष की ऐका दुखी लौ नी हो तथा आरम्भिक्षण
परीक्षा इसमें उन्होंने प्राप्ति लौ नी कर लिये तृतीय वर्ष के अधीक्षा कार्यालयों
में पठोन्नति की अविवादी लौ नी लौ नी कर लियी है तथा इस अविवादी वायोग
ने ३० जून, १९८२ से लौ नी कर लिया।

स० शंकर लौ निधान
गुरुप्रदृष्ट अभियन्ता० ०४०३-२
स००८०८०८०

प्रतिलिपि:

- सचिव, स००८०८०८०४ उत्तरांग निधान, निधान व० स००८०८०४।
- समाज नूरुद्दी अभियन्ता स००८०८०८००, उत्तरांग।
- समाज अधिकारी अधिकारी तथा स००८०८०८०० के स००८०८०४।

शंकर लौ निधान,
स००८०८०८०८०

कांगड़ीय प्रस्तुति अधीक्षणाता, उत्तर बंद्रेश
मार्गविनिय निमाण्ड लिम्पाग,
बृहस्पति गृह द्वारा

मिल्या: 1592 रुपा/इक्के रुपा/82 दिनांक नाईनटी, परिधानी [4-1-1983]

स्वगत बधीहाणा अधिकारी,
स्वगत अधीक्षणासी अधिकारी,
स्वगत काठ बधीहाणा विभिन्नों
ठारेक्कुर रिम्हत।

विचार:- वर्ग एकेट /वर्ग पिच्ची में वर्ग सुपरवाइजर जनाए जानेगा।

वर्ग पिच्ची/ वर्ग एकेट से वर्ग सुपरवाइजर बनाये जाने के विचार में अनेकों सदम्हाँ इस कांगड़ीय को लिखे गए हैं। इस विचार में निम्नलिखित विवेदित किया जाता है।

1- वर्ग सुपरवाइजर के रिक्त पद पर विद्युतित नियंत्रित वर्ग एकेट /वर्ग पिच्ची में की जायेगी।

2- नियंत्रित वर्ग एकेट/वर्ग पिच्ची को ही पात्र पाना जाएगा। विवृत वर्ग सुपरवाइजर के रिक्त पद पर इकैक्कीहाणा पात्र पाने जाएगी।

3- इस हेतु जनपद में वर्ग एकेट /वर्ग पिच्ची की ज्येष्ठता इसी बनाए जाएगी।

4- इस हेतु एक कमीटी का कठन किया जाए।

11। जिन जनपद में बधीहाणा अधिकारी के कांगड़ीय नहीं है उनके जनपद के प्राचीनीय साण्ड के बिकाराएँ अधिकारी के नियाण्डी हाण्ड के बिकाराएँ क्षम्भाय होंगे। कंचित्ता के वर्ष पानासी बधीहाणा अधिकारी को वर्ष हासी अवगत कराया जाएगा। विवृत वर्ग सुपरवाइजर के निये अधिकारी की अधिकारी विभिन्नों लैटी कमीटी के सदारा होंगे।

12। जिन जनपदों में बधीहाणा अधिकारी के कांगड़ीय हैं वहाँ पर स्थान स्वातं बधीहाणा अधिकारी के सारा जनपद की वर्ग पिच्ची/ वर्ग एकेट ऐसी की किया जाय। ज्येष्ठता कुप में ज्येष्ठ बधीहाणा अधिकारी इस कमीटी के सदारा होंगे।

5- आदात्कार के हारा ज्येष्ठता के बादारा पर किया जाएगा।

6- वर्ष करते स्थान कंचित्ता का बनुभव बाबिल गोपनीय दीजाई, बीरव, शौशिङ यौथता तथा विक्कुपा का बान छत्यादि पर विकोदा ध्यान दिया जाएगा।
7- वर्ग सुपरवाइजर जैनाने हेतु बौद्ध कंतिरिका पद का आवादि इस कांगड़ीय हारा नहीं किया जाएगा।

कांगड़ीय

एकेट

वर्ग पिच्ची सहुपक्षी दोषी

क्षम्भी प्रपुदा अधिकारी

प्रतिलिपि स्वारत दोषीय पुरुष अधिकारी दो सूचनाएँ प्रेषित।

50/- दोस्तों विद्यार्थी

4/2/83

50/- दोस्तों विद्यार्थी

पहुंच अधिकारी

विभिन्नों

50/- दोस्तों विद्यार्थी

4/2/83

प्रमोठी विद्यार्थी

पहुंच अधिकारी

विभिन्नों

तंत्र

प्रेषक,

तेवारै,

तोक ।
विचार:

महोदय

के हारे

लघ्य

जाता

उत्तार

ताम

पत्र ।

अभि

उन्मो

आव

जार्य क्रमांकना , उत्तर प्रदेश
ग्रन्थालय विभाग
चृचृ २०६५ वर्ष ।

तंत्रज्ञा । 235 रुपय/65 रुपय/9। तारीख दिनांक 26-2-91
शब्दालय- द्वाप

जार्य क्रमांकना अधिकारी ने जार्य करने वाले रोलर/ दूर/टिपर/वी वाहन
यात्राएँ विविध रूपों में उठ रहीं जो आवंटन पड़ते ही उत्तर जारी किया
द्वारा चिया जा रहा है । यात्रों के इसको तो प्राप्त सूचनाओं को अनुकार उप या
अनुरूप लिया गया है तो जार्य क्रमांकना अधिकारी ने निम्न तिथियों से लिये गए
अंगादियों जो उनकी वक्तव्य ज्ञेन्टहा तृष्णी के अनुकार निर्मित घर द्वारा जाए गौर
उत्तरी सूचना का जारी कर दी गई छेत्रित घर दो जाय :

- 1- रोलर वालक 30. 9. 75
- 2- जीप चालक 26. 2. 79
- 3- दूर टिपर वालक 31. 12. 79

हरो/- आरो/- रामरा,

सुखप्रभावना है हरो-2।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को तृष्णनार्थ सर्व आवश्यक जार्यात्मी ऐतु प्रेसितः

1. तमस्त नेश्वर अभियन्ता, लोटनियिं उ०७५६८।
2. तमस्त उपारीश्वर अभियन्ता लोटनियिं०७०५४।
3. तमस्त जार्य उपारीश्वर / अधिकारी अभियन्ता/ प्रान्तीय / रामरा/
यिं/ दौ/ यिं०६० इष्ट अन्येनाषाम्/ ज्ञानियिष्टमौरान हैन,
लोटनियिं०७०५०।

हरो/ प्रभुता अभियन्ता
लोटनियिमान।

min

कायांलिय प्रमुख अधिकारी, उम्प०
लोक निर्माण विभाग,

चृत "म" वर्ष ।

पंड तेल्हया ३३७४ द्यग/ २००५/११

दिनांक १६/७ ९२

समस्त क्षेत्रीय मुख्य अधिकारी,
समस्त जनरल्स अधिकारी,
समस्त अधिकारी अधिकारी,
समस्त कार्य अधीक्षक, चिनियाँ,
डाक्टर रिसर्च, लेनडॉल ।

ठिक्कायः— यतुर्थ लेण गी नियमित कार्यप्रभारित कर्मचारियों के दूसरी लेणारी

ये १५ प्रतिशत आरक्षण हैं आधार पर लिपिकों के घट पर पदोन्नति ।
संख्या— नं. ८४६५ व्यज [३०८८८७१७१८५] २२-४-८२

विभिन्न हाँगठन वरावर कायांलिय ला इयान आवृद्धि कर रहे हैं वि
चतुर्थ लेणारी सर्व नियमित कार्यप्रभारित कर्मचारियों को कनिष्ठ लिपिक के पद पा
पदोन्नति नहीं किया जा रहा है । शासनादेश तेल्हया २८/१०८ नं. २८३१/११ के
उनुसार नियमित कार्यप्रभारित कर्मचारियों को १५ प्रतिशत आरक्षण कनिष्ठ -
लिपिक हैं घट पर पदोन्नति हेतु दिया ज्या है । यतुर्थ लेण गी कर्मचारियों सर्व
नियमित कार्यप्रभारित कर्मचारियों की छेड़ता जनपद आधार पर सभी जनपदों
में उन गई हैं । यिन जनपदों में छेड़ता सूची जब्ती नहीं लेयार हो पाई है वह
जनपद इस माह के डन्त तक छेड़ता सूची को उत्प्रय अन्य तथा हो दें ।

देवीष मुख्य अधिकारी पर्याँ में आगे अधीनस्थ जनपदों में कुल रिक्त
एदों का १५ प्रतिशत जनपदों को आवृद्धि कर देंगे । लिपिक पद पर पदोन्नति
होने पर इन कर्मचारियों पर वह सभी नियम प्रभावी होंगे जो उन्हीं लिपिक
अधिकारी ने कर्मचारियों पर लागू होते हैं । प्रायोङ इत्रोङ कायांलिय कुल
रिक्त पद में से ५ प्रतिशत पद मित्रव्ययता की दृष्टि नहीं भरें ।

इन आदेशों का छहाँसे सर्व दुरन्त पालन इनियिएत रिक्ता जाय ।

मुख्य अधिकारी; मुख्य T-2

लोक निर्माण विभाग ।

१- प्रतिलिपि देयप्रिक सहायक मिनिस्ट्रीरियल प्रमुख अधिकारी कायांलिय,
लो ०नियाँ, लेनडॉल ।

२- प्रतिलिपि नोटिस बोर्ड पर जानकारी हेतु प्रत्यक्ष लाप्ति है भी
लगाई जाय ।

मुख्य अधिकारी; मुख्य T-2
लोक निर्माण विभाग,

डी०पी०/ १३/७/

ફાર્માસિય પ્રદૂષ અનીયકતા, ડાયટર પ્રેરણ,
દાવીદારોનું વિવિધ વિભાગ,
દયવાસીનું ।

- 21 -

દસ્તખ્ય- 546 દયવાસીનું વિવિધ વિભાગ/83

દિનાં- તુલના, અસ્થિરી, 15, 1983

દાવીદાર અધીક્ષણ અનીયકતા,
" અનીયકતા, અનીયકતા,
" ફાર્માસિય, વિભાગ/દાય,
ડાઇરેક્ટર પ્રિયા ।

વિવય- વિશ્વાસિત વાચા વાતાં ।

હું ફાર્માસિય છું કોર્ટને આર્જિત કિયા નવા કે કોણકો
ને વિશ્વાસિત વાતાં હોલે છે. બાધકુદ દી મંદિર રોજ વાતાં ને ડામ લિયા જાતા કુ
કોર્ટ વિશ્વાસિત વાતાં કો કેઠા કિયા જાતાની. હું પ્રભાર ની ફાર્માસિય જહો નથો
કોઈ વિરીધિકાર ફારણ ન હો ડાયિત જહો કે. જતો: જાપે ઝુરોં કે કોણ હસ પર દ્યાદ
રહા જાય ।

દાય/એદાયી અનીયકતા ।

મુખ્ય અનીયકતા
દાય/એદાયી ।

પ્રસ્તુતિલિપિ દાવીદાર મુખ્ય અનીયકતાઓનો દુષ્ટીની પ્રોથમ ।

Sir. M. V. R.

દાય/એદાયી અનીયકતા ।

મુખ્ય અનીયકતા/દાય/
એદાયી/દાય ।

उत्तर प्रदेश शासन,
प्रांतिक उच्चाधीन-4
हाई कोर्ट 18 जून 1987-

कोप,

राज्याधीन नोट्सों के उल्लंघन विभिन्न संघर्षों द्वारा आवश्यकता
काले देहु टार्फ़िक अक्षय-1 के टार्फ़िक छाद संग ८० की-२१०/८६एसोट्स-५-७७
में। यिंदू ९ अगस्त १९८० के साथ मालूम हेता विभागीयता दी एवं आक्षय अक्षय-
२ के बिंदु यथा है जिसमें इस विभिन्न विभागों का द्वारा बहाई वाली हेता विभा-
गीयताओं के द्वारा वाली संबद्धताओं को विभिन्न शीलि के द्वारा इसी
दृष्टि से। इस संबद्धता में विभिन्न विभागों द्वारा राज्याधीन परिवहन वालों के लिये
कार्य यह हेता विभागीयताओं के संबद्धते यह पाया यथा है यह परिवहन वालों
की पर यहाँ के संबद्धता में विभागों द्वारा विभाग-२ और अक्षय-५ एवं विभाग-४
युक्त नियमित रूप से है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश द्वारा आवश्यकताओं में परिवहन
वालों की ऐसी "स" के उल्लंघन रहा यथा है कि यह विभागीय अक्षय-४ के टार्फ़िक
छाद संग १०२३/प्र-४-१९ईएस/१९८३ यिंदू १४ जून १९८४ के द्वारा परिवहन वालों
को अनुमति के उल्लंघन से याकौ द्वारा विभीत रूप से दी गयी है।

२. परिवहन वालों के द्वारा अपार्टमेंट के द्वारा दी खेती में आते हैं जो घार:
वाली विभागों में विवरणात्मक ठेंडार डेको डार्प मूल्य विभागीयता द्वारा दी गयी
पर यहाँ के द्वारा लिये गए विभाग फैलॉवर अक्षय-५ तका उत्तर प्रदेशीयता द्वारा दी गयी
है इस दृष्टि में उत्तर प्रदेशीयता द्वारा दी गयी विभागीय विभागों में परिवहन वालों के
द्वारा यथा है यह उत्तर प्रदेशीय विभागों में परिवहन वालों के पर यहाँ के
द्वारा विभिन्नतिक्षिण शीलि अक्षय-५ द्वारा दी गयी है।

३. टार्फ़िक योग्यता-

१०२४ प्रा०

उत्तर प्रदेश अक्षय-

उत्तर प्रदेश अक्षय-५ के द्वारा दी गयी है।

४. अक्षय-५ के द्वारा-

उत्तर प्रदेश प्रार्थना

अपार्टमेंट के द्वारा दी गयी है।

५. अपार्टमेंट के द्वारा दी गयी है।

६. अतः यह अपार्टमेंट के द्वारा दी गयी है यह अपार्टमेंट
उत्तर प्रदेशीयता विभागों में उत्तर प्रदेशीय परिवहन वालों के द्वारा उत्तर प्रदेशीयता विभाग
नियमित विभाग जाके तका उत्तर प्रदेशीयता विभागों के द्वारा उत्तर प्रदेशीयता विभाग
नियमित विभाग के उत्तर प्रदेशीयता विभागीय विभागीयता में परिवहन वालों के द्वारा दी गयी है।

मालूम,

८०/- एवं १००/-

कोप,

उत्तर प्रदेश विभागीय सरिवंव,
उत्तर प्रदेश विभाग।

उत्तर प्रदेश विभागीय
विभागीयता

उत्तर प्रदेश विभागीय
विभागीयता

- - - 2

प्रेषण,

राकेश रामा,
प्रमुख सचिव, वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

समस्त प्रमुख सचिव/सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

वित्तविभाग-सारिग्य-जनु ०-७

फॉर्म No. ८१-२६६

६.७.१५

देहरादून: दिनांक: ०१ जुलाई 2013

विषय:- प्रदेश के वाहन चालक सेवा-संवर्ग का पुनर्गठन।

उपर्युक्त विषयक पत्र संख्या:-108/XXVII(7)/2006 दिनांक ३ जुलाई 2006, एवं पत्र संख्या:-408/XXVII(7)27(3)/2013, दिनांक ०८ फरवरी 2013 हारा संसूचित पूर्व निर्णयों के आधिक संशोधन के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पुनर्विचारोपरान्त प्रदेश के वाहन चालक सेवा-संवर्ग को तत्कालिक प्रमाद से निम्नवत् संशोधित रूप में पुनर्गठित किये जाने का निर्णय लिया गया है।-

क्र०	पदनाम	वर्तमान वेतन वैष्ट एवं ग्रेड वेतन (रु.)	संस्कृत वेतन वैष्ट एवं ग्रेड वेतन (रु.)	पदों का प्रतिशत	मर्ती की प्रक्रिया/आवंटा
(1)	(2)	(3)		(4)	(5)
१-	वाहन चालक ग्रेड-४	वेतन वैष्ट-१ (5200-20200) एवं ग्रेड वेतन रु. 1900	वेतन वैष्ट-१ (5200-20200) एवं ग्रेड वेतन रु. 1900	३०	<p>(रु.) ७५ प्रतिशत पद सीधी मर्ती हारा। सीधी मर्ती के लिए अधर्थों के अवैधता:-</p> <p>(i) किसी मान्यता प्राप्त वैक्षिक संसद हो आठवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो, और</p> <p>(ii) यथा स्थिति भारी या हल्के वाहन चालने का वैध क्राइडिंग लाइसेन्स संबंधित रिक्ति के अधिसूचित किये जाने के दिनांक के पूर्व से ०३ वर्ष से अनन्यून अवधि का रखता हो।</p> <p>(iii) २५ प्रतिशत पद मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे वकीलों और समूहों के कर्मचारियों में से, जिन्होंने मर्ती-वर्ष के प्रथम दिवस को इह रूप में १० वर्ष की संया पूर्ण कर ली हो और व्यास्ति भारी या हल्के वाहन चालने का ०३ वर्ष से अनन्यून अवधि का वैध क्राइडिंग लाइसेन्स रखता हो तथा किसी मान्यता प्राप्त वैक्षिक संसद की आठवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण</p>

संचय विभाग (वाचिक)

कर ली है।

परन्तु यदि उक्तानुसार पांचक संघर्ष की अनुपलब्धता ही अधिक पोषक संघर्ष ने ऐसे पात्र व्यक्ति उपलब्ध न हो, तो ऐसी रिक्तियों को उक्त छाएँ (एक) के अधीन सीधी भर्ती के माध्यम से भरा जायेगा।

2.	वाहन चालक ये०-३	वेतन रूपये-१ (5200-20200) एवं ग्रेड वेतन रु० 2400	वेतन रूपये-१ (5200-20200) एवं ग्रेड वेतन रु० 2400	25	वाहन चालक ये०-३ के पद पर ज्येष्ठता के आधार पर वदोन्नति ऐसे वाहन चालक ये०-४ से को जायेगी, जिन्होंने भर्ती-दर्श के प्रथम दिवस को ०९ बजे की सत्रोषजनक सेवा पूरी तरह ली है और इस द्वेष निर्धारित ट्रेड टेस्ट उत्तीर्ण कर लिया है।
3.	वाहन चालक ये०-२	वेतन रूपये-१ (5200-20200) एवं ग्रेड वेतन रु० 2800	वेतन रूपये-१ (5200-20200) एवं ग्रेड वेतन रु० 2800	20	वाहन चालक ये०-२ के पद पर ज्येष्ठता के आधार पर वदोन्नति ऐसे वाहन चालक ये०-३ के पदधारकों से को जायेगी, जिन्होंने भर्ती-दर्श के द्वेष-३ के पद पर ०६ बर्ष की सत्रोषजनक सेवा उक्त वाहन चालक ये०-४ की सेवाओं की जोड़ते हुए कुल १५ बर्ष की सेवा पूरी कर ली है और इस द्वेष निर्धारित ट्रेड टेस्ट उत्तीर्ण कर लिया है।
4.	वाहन चालक ये०-१	वेतन रूपये-२ (१३००-३४८००) एवं ग्रेड वेतन रु० 4200	वेतन रूपये-२ (१३००-३४८००) एवं ग्रेड वेतन रु० 4200	15	वाहन चालक ये०-१ के पद पर ज्येष्ठता के आधार पर वदोन्नति ऐसे वाहन चालक ये०-२ पदधारकों से को जायेगी, जिन्होंने भर्ती-दर्श के प्रथम दिवस को ये०-२ के पद पर ०३ बर्ष की सत्रोषजनक सेवा पूरी तरह ली है।
5.	वाहन चालक विशेष क्षेत्री	-	वेतन रूपये-२ (१३००-३४८००) एवं ग्रेड वेतन रु० 4600	10	वाहन चालक विशेष क्षेत्री के पद पर ज्येष्ठता के आधार पर वदोन्नति ऐसे वाहन चालक ये०-१ के पदधारकों से को जायेगी, जिन्होंने भर्ती-दर्श के प्रथम दिवस को ये०-१ के पद पर ०१ बर्ष की सेवा पूरी कर ली है।

2— उपर्युक्तानुसार संबंधीय पुनर्गठन के फलस्वरूप उपलब्ध पदों पर प्रथमतः एक मुश्त समायोजन एवं तत्पश्चात् भर्ती/पदोन्नामि के संबंध में निम्नवत् व्यवस्था सुसंगत सेवानियमावली में संशोधन (यथास्थिति) करके निर्धारित की जाय—

“संबंधीय पुनर्गठन के फलस्वरूप संशोधित/उच्चीकृत ग्रेड वेतन के उपलब्ध पदों पर वर्तमान व्यवस्था में निम्न स्तर (ग्रेड वेतन) के पद पर कार्यस्त पदधारकों से ज्येष्ठता एवं उपयुक्तता के आधार पर प्रथमतः पुनर्गठन की तिथि से एक मुश्त समायोजन कर दिया जाय। एक मुश्त समायोजन की यह सुविधा एक बार ही दी जायेगी और ऐसे समायोजित होने वाले पद धारकों का संशोधित/उच्चीकृत ग्रेड वेतन में वेतन—निर्धारण शासनादेश संख्या—395/XXVII(7)/2008, दिनांक 17 अक्टूबर, 2008 के प्रस्तार—27 में निहित व्यवस्था(यथा संशोधित) के अनुसार किया जायेगा।

तत्पश्चात् रिक्त पदों को, संबंधित पद हेतु उक्तानुसार संशोधित रूप में निर्धारित अर्हता एवं भर्ती की प्रक्रिया के अनुसार ही भरा जायेगा।”

3— कृपया उपर्युक्त पत्र दिनांक 03 जुलाई, 2006 एवं दिनांक 08 फरवरी 2013 द्वारा संसूचित निर्णयों को उक्त निर्णयों के अनुसार संशोधित रूप में कार्यान्वयित किये जाने हेतु आवश्यक शासनादेश वित्त विभाग की सहमति से निर्गत करने का काट करें।

भवदीय,

राकेश शर्मा
प्रमुख सचिव ।

संख्या: 588(1) / XXVII(7)27(3) / 2013 तददिनांक

प्रतिलिपि: समस्त विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्षों को इस आशय से प्रेषित कि उक्त के सम्बन्ध में प्रस्ताव अपने प्रशासकीय विभाग विभाग के माध्यम से वित्त विभाग में प्रस्तुत करने का काट करें।

आशा से,


(एल०एन०प०न्त)
अपर सचिव ।

P.T.O.



पत्रांक:- 539/43 काठप्र०-अधि०/2015

दिनांक:- २३. 07. 2015

सेवा में,

आधीक्षण अभियन्ता,
1/4/8/10/12/ सिविल वृत्त,
लोक निर्माण विभाग,
अल्मोड़ा / लौहपुर / टिहरी /
राठमाठदेहरादून / पीढ़ी / हरिद्वार ।

विषय:- नियमित क्लीनर / डोजर आपरेटर आदि को चालक / डोजर आपरेटर के रिक्त पदों पर पदोन्नति के सन्बन्ध में।

कृपया उपरोक्त विषयक क्रम में अवगत कराना है कि उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग, में नियमित क्लीनरों / हैल्परों का चालक के रिक्त पदों पर पदोन्नति किये जाने हेतु इस कार्यालय के पत्र संख्या-432/04 काठप्र०-अधि०/15 दिनांक 27.06.2015 द्वारा चयन समिति की बैठक आहुत की गयी। उक्त बैठक में अधीक्षण अभियन्ता 11 वीं विं/वीं वृत्त, लोक निर्माण विभाग देहरादून द्वारा क्लीनरों / हैल्परों की पदोन्नति हेतु उपलब्ध कराये गये चयन चार्ट को दिनांक 04.07.2015 को चयन समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। चयन समिति द्वारा निम्न नियमित क्लीनर / डोजर आपरेटर आदि को चालक / डोजर आपरेटर के रिक्त पदों पर पदोन्नति किये जाने हेतु चयनित किया गया है। जिनका विवरण निम्नवत् है-

क्रमो सं०	नाम	खण्ड का नाम	वृत्त का नाम
1	2	3	4
1.	श्री गिरीश चन्द्र सिंह	निर्माण खण्ड, रानीखेत	प्रथम वृत्त, अल्मोड़ा
2.	श्री भास्कर दत्त ज्ञोर्ही	निर्माण खण्ड, खटीमा	चतुर्थ वृत्त, ऊधमसिंहनगर / लौहपुर
3.	श्री वेद प्रकाश	निर्माण खण्ड, खटीमा	चतुर्थ वृत्त ऊधमसिंहनगर / लौहपुर
4.	श्री मनोज कुमार	निर्माण खण्ड, खटीमा	चतुर्थ वृत्त ऊधमसिंहनगर / लौहपुर
5.	श्री महादीर सिंह	निर्माण खण्ड, काशीपुर	चतुर्थ वृत्त ऊधमसिंहनगर / लौहपुर
6.	श्री मो० रईस	निर्माण खण्ड, काशीपुर	चतुर्थ वृत्त ऊधमसिंहनगर / लौहपुर
7.	श्री कुशाल सिंह	निर्माण खण्ड, टिहरी	आठवा वृत्त टिहरी
8.	श्री रियासत	रा० मा० खण्ड, रुडकी	10 रा० मा० वृत्त देहरादून
9.	श्री हेमराज	रा० मा० खण्ड, रुडकी	10 रा० मा० वृत्त देहरादून
10.	श्री कुलदीप सिंह	निर्माण खण्ड, श्रीनगर	बारहवा वृत्त पीढ़ी
11.	श्री वजीर	प्रान्तीय खण्ड, हरिद्वार	सिविल वृत्त, हरिद्वार

उक्त चयनिता कार्मिकों का चयन चार्ट आपको इस आशय से संलग्न कर प्रेषित किया जा रहा है कि उत्तराखण्ड शासन कार्मिक अनुभाग-2, देहरादून के शासनादेश संख्या-590 / कार्मिक-2 / 2003-55 (26) / 2002 दिनांक 13.05.2003 एवं उत्तराखण्ड शासन कार्मिक अनुभाग-2, देहरादून के शासनादेश संख्या-891 / XXX(2) / 2013-55 (26) 202 दिनांक 13.08.2013 की अधिसूचना (प्रकीर्ण) द्वारा प्राप्त दिशा- निर्देशों के अनुसार खण्डीय चयन समिति के माध्यम से श्रेष्ठता के आधार पर 100 अंकों की एक साधारण परीक्षा ले जिसमें 40 अंकों की सामान्य हिन्दी, सामान्य ज्ञान, एवं सामान्य अध्ययन से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ लिखित परीक्षा होगी। चयनित कर्मचारियों की वार्षिक चरित्र परिका हेतु 10 अंक होगें तथा 50 अंकों की ड्राईविंग परीक्षा होगी के उपरान्त उत्तीर्ण होने पर सम्बन्धित कार्मिकों के पदोन्तति आदेश जपने स्तर से जारी करते हुये कृत कार्यवाही से इस कार्यालय को भी अवगत कराना सुनिश्चित करें।

उक्त प्रकरण का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाय।

संलग्न- चयन चार्ट।

~~4/17~~
मुख्य-अभियन्ता (मुख्यालय)

परिलिपि:- समस्त क्षेत्रीय मुख्य अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, अल्मोड़ा/पीड़ी/ देहरादून/ हल्द्वानी /पिथौरागढ़/टिहरी/रामगढ़ देहरादून/हल्द्वानी को सूचनार्थ प्रेषित।

प्रतिलिपि:- अधीक्षण अभियन्ता, 05/11 वि०/व०० कृत, लोक निर्माण विभाग, हल्द्वानी/ देहरादून को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

प्रतिलिपि:- प्रान्तीय अध्यक्ष, राजकीय वाहन चालक, लोक निर्माण विभाग, देहरादून को सूचनार्थ प्रेषित।

मुख्य अभियन्ता (मुख्यालय)

उत्तराखण्ड शासन कार्मिक अनुभाग-2 देहरादून के शासनादेश संख्या- 590 / XXX(2) /2003-55(26)2002 दिनांक 13.05.

2003 की अधिसूचना (प्रकीर्ण) तथा शासनादेश संख्या- 891 / XXX(2) /2013-55(26)2002 दिनांक 13.08.2013 की अधिसूचना (प्रकीर्ण) द्वारा प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुपालन में लोक निर्माण विभाग में कार्यस्त श्रेणी 'घ' के मौलिक रूप से नियुक्त कर्मचारियों का ड्राईवर ग्रेड-4 के पद पर पदोन्नति की कार्यवाही हेतु कार्यालय प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष "वर्कचार्ज वर्ग" लोक निर्माण विभाग देहरादून के पत्रांक 432 / 04 काठप्रा०-अधि० / 2015 दिनांक 27.06.2015 द्वारा चयन समिति की बैठक दिनांक 04.07.2015 को बैठक की निर्धारित की गई है।

उत्तराखण्ड शासन कार्मिक अनुभाग-2 देहरादून के शासनादेश संख्या- 590 / XXX(2) /2003-55(26)2002 दिनांक 13.05.2003 की अधिसूचना (प्रकीर्ण) तथा शासनादेश संख्या- 891 / XXX(2) /2013-55(26)2002 दिनांक 13.08.2013 की अधिसूचना (प्रकीर्ण) द्वारा प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार समूह 'घ' के मौलिकरूप से नियुक्त ऐसे कार्मिक जो नियम 11 में विहित प्राविधिक तथा शैक्षिक अर्हता में किसी गान्यता प्राप्त शैक्षिक संस्था से आठवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो और यथारिति भारी या हल्के वाहन चलाने का वैध लाईसेन्स सम्बन्धित रिक्ति के अधिसूचित किये जाने के दिनांक के पूर्व से 05 वर्ष से अनन्यून अवधि का रखते हो, सीधी भर्ती के स्वीकृत पदों के 25 प्रतिशत पदों पर निम्न चयन प्रक्रिया के आधार पर नियुक्त किये जायेंगे।

चयन प्रक्रिया:- वाहन चालक के पदों पर भर्ती जिस कार्यालय में होनी हो, उस कार्यालय में कार्यस्त श्रेणी 'घ' के मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे कर्मचारी जिन्होंने निरन्तर 05 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, पात्रता क्षेत्र में आयेंगे। समूह 'घ' से भर्ती के लिए आवश्यित रिक्तियों पर चयन, नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा गठित चयन समिति के माध्यम से श्रेष्ठता के आधार पर 100 अंकों की एक साधारण परीक्षा लेकर किया जायेगा, जिसमें 40 अंकों की सामान्य हिन्दी, सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ लिखित परीक्षा होगी। पात्र कर्मचारी की वार्षिक चरित्र परिका हेतु 10 अंक होंगे तथा 50 अंकों की ड्राइविंग परीक्षा होगी।

जानू
पा०गा०५

११८१११
३.६

११८१११

११८१११

उत्तराखण्ड शारान लोक निर्माण विभाग अनुभाग-1 देहरादून के शासनादेश संख्या— 834 / III(1) /06-190(पी0डब्ल्यूडी0)2001 टी0सी0-2 दिनांक 06.10.2016 के द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में ट्रक /टिपर/टैकर/ट्रैक्टर/ रोलर चालक ग्रेड-4 के 95 पद सृजित किये गये हैं, तथा जीप/कार चालक ग्रेड-4 के 39 पद सृजित किये गये हैं। इस प्रकार ग्रेड-4 के कुल 134 पद सृजित हैं। इन 134 पदों का 25 प्रतिष्ठत अर्थात् 33 पद समूह 'घ' के कार्मिकों की पदोन्नति हेतु आवश्यित हैं।

वर्तमान में 41 न0 (प्रति संलग्न) समूह 'घ' के कार्मिकों से चयन चार्ट प्राप्त हुये हैं। समूह 'घ' के मौलिकरूप से नियुक्त ऐसे कार्मिक जो नियम 11 में विहित प्राविधिक तथा शैक्षिक अर्हता में किसी मान्यता प्राप्त शैक्षिक संस्था से आठवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो और यथास्थिति गारी या हल्के वाहन चलाने का वैध लाईसेन्स सम्बन्धित रिक्ति के अधिसूचित किये जाने के दिनांक के पूर्व से 05 वर्ष से अनन्यून अवधि का रखते हो, के 11 न0 (प्रति संलग्न में पात्र होना उल्लिखित) कार्मिक हैं। अतः दिनांक 04.07.2015 तक समूह 'घ' के कार्मिकों से प्राप्त चयन चार्ट उनकी वरिष्ठता कम के आधार पर उपलब्ध रिक्ति पदों पर समायोजन हेतु उपरोक्त सूची के अनुसार 11 न0 कार्मिक का चयन व अनुमोदन किया जाता है। चयनित कार्मिकों के खण्ड के अधिशासी अभियन्ता, शासनादेश संख्या— 891 / XXX(2) /2013-55(26)2002 दिनांक 13.08.2013 की अधिसूचना (प्रकीर्ण) द्वारा प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार खण्डीय चयन समिति के माध्यम से श्रेष्ठता के आधार पर 100 अंकों की एक साधारण परीक्षा ले, जिरामें 40 अंकों की सामान्य हिन्दी, सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ लिखित परीक्षा होगी। पात्र कर्मचारी की वार्षिक चरित्र पंजिका हेतु 10 अंक होंगे तथा 50 अंकों की ड्राइविंग परीक्षा होगी के उपरान्त उत्तीर्ण कार्मिकों के नियुक्ति पत्र जारी करेंगे।


 (सदस्य) ५/७/१५
 अधीक्षण अभियन्ता
 ५०० विं/य०० वृत्त, लो०नि०विं
 हल्द्वानी(नैनीताल)


 (सदस्य) ११.७.१५
 अधीक्षण अभियन्ता
 ११०० विं/य०० वृत्त, लो०नि०विं
 देहरादून

(८९०)६
 (अधीक्ष)
 श्रृंखला अभियन्ता (मुख्यालय)
 लोक निर्माण विभाग
 देहरादून

प्रधानमंत्री संकाय 61-B/1
सचिवालय 77
प्रधानमंत्री संकाय
प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण 13.05.

उत्तराखण्ड शासन कार्मिक अनुभाग-2 देहरादून के शासनादेश संख्या- 590 / XXX(2) /2003-55(26)2002 दिनांक 13.05.2003 की अधिसूचना (प्रकीर्ण) तथा शासनादेश संख्या- 891 / XXX(2) /2013-55(26)2002 दिनांक 13.08.2013 की अधिसूचना (प्रकीर्ण) हारा प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुपालन में लोक निर्माण विभाग में कार्यस्त श्रेणी 'घ' के मौलिक रूप से नियुक्त कर्मचारियों का ड्राईवर ग्रेड-4 के पद पर पदोन्नति की कार्यवाही हेतु कार्यालय प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष "वर्कचार्ज वर्ग" लोक निर्माण विभाग देहरादून द्वारा पत्रांक 132 / 04 का 0 प्रा 10—अधि 0 / 2015 दिनांक 27.06.2015 हारा चयन समिति की बैठक दिनांक 04.07.2015 को बैठक की निर्धारित की गई है।

उत्तराखण्ड शासन कार्मिक अनुभाग-2 देहरादून के शासनादेश संख्या- 590 / XXX(2) /2003-55(26)2002 दिनांक 13.05.2003 की अधिसूचना (प्रकीर्ण) तथा शासनादेश संख्या- 891 / XXX(2) /2013-55(26)2002 दिनांक 13.08.2013 की अधिसूचना (प्रकीर्ण) हारा प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार समूह 'घ' के मौलिकरूप से नियुक्त ऐसे कार्मिक जो नियम 11 में विहित प्राविधिक तथा शैक्षिक अहंता में किसी मान्यता प्राप्त शैक्षिक संस्था से आठवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो और यथास्थिति भारी या हल्के बाहन चलाने का वैध लाईसेन्स सम्बन्धित रिक्ति के अधिसूचित किये जाने के दिनांक के पूर्ण से 05 वर्ष से अनन्यून अवधि का रखते हो, सीधी भर्ती के स्वीकृत पदों के 25 प्रतिशत पदों पर निम्न चयन प्रक्रिया के आधार पर नियुक्त किये जायेंगे।

चयन प्रक्रिया:- बाहन चालक के पदों पर भर्ती जिस कार्यालय में होनी हो, उस कार्यालय में कार्यस्त श्रेणी 'घ' के मौलिक रूप से नियुक्त ऐसे कर्मचारी जिन्होंने निरन्तर 05 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, पात्रता क्षेत्र में आयेंगे। समूह 'घ' से भर्ती के लिए आरक्षित रिक्तियों पर चयन, नियुक्ति प्राधिकारी हारा गठित चयन समिति के माध्यम से श्रेष्ठता के आधार पर 100 अंकों की एक साधारण परीक्षा लेकर किया जायेगा, जिसमें 40 अंकों की सामान्य हिन्दी, सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ लिखित परीक्षा होगी। पात्र कर्मचारी की वार्षिक चरित्र परिका हेतु 10 अंक होंगे तथा 50 अंकों की ड्राइविंग परीक्षा होगी।

५१२११-
३.६

४०८०८

४०८०८

उत्तराखण्ड शासन लोक निर्माण विभाग अनुभाग-1 देहरादून के शासनादेश संख्या- 834 / III(1) /06-190(पी०डब्ल्यू०डी०)2001 दैशी०-२ दिनांक 06.10.2016 के द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में ट्रक /टिप्पर/टैकर/ट्रैक्टर/ रोलर चालक येड-४ के 95 पद सूचित किये गये हैं, तथा जीप/कार चालक येड-४ के 39 पद सूचित किये गये हैं। इस प्रकार येड-४ के कुल 134 पद सूचित हैं। इन 134 पदों का 25 प्रतिष्ठत अर्थात् 33 पद समूह 'ध' के कार्मिकों की पदोन्नति हेतु आवश्यित है।

वर्तमान में 41 न० (प्रति संलग्न) समूह 'ध' के कार्मिकों से चयन चाट प्राप्त हुये हैं। समूह 'ध' के भौलिकरूप से नियुक्त ऐसे कार्मिक जो नियम 11 में विहित प्राविधिक तथा शैक्षिक अहंता में किसी मान्यता प्राप्त शैक्षिक संस्था से आठवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो और यथास्थिति भारी या हल्के वाहन चलाने का वैध लाईसेन्स सम्बन्धित रिक्त के अधिसूचित किये जाने के दिनांक के पूर्व से 05 वर्ष से अनन्युन अवधि का रखते हो, के 11 न० (प्रति संलग्न में पात्र होना उल्लिखित) कार्मिक हैं। अतः दिनांक 04.07.2015 तक समूह 'ध' के कार्मिकों से प्राप्त चयन चाट उनकी वरिष्ठता कम के आधार पर उपलब्ध रिक्त पदों पर समायोजन हेतु उपरोक्त सूची के अनुसार 11 न० कार्मिक का चयन व अनुमोदन किया जाता है। चयनित कार्मिकों के खण्ड के अधिशासी अभियन्ता, शासनादेश संख्या- 891 / XXX(2) /2013-55(26)2002 दिनांक 13.08.2013 की अधिसूचना (प्रकीर्ण) द्वारा प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार स्वरूपीय चयन समिति के माध्यम से श्रेष्ठता के आधार पर 100 अंकों की एक साधारण परीक्षा ले, जिसमें 40 अंकों की सामान्य हिन्दी, सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ लिखित परीक्षा होगी। पात्र कर्मचारी की वार्षिक चरित्र पंजिका हेतु 10 अंक होंगे तथा 50 अंकों की ह्राईविंग परीक्षा होगी के उपरान्त उत्तीर्ण कार्मिकों के नियुक्ति पत्र जारी करेंगे।

(सदस्य) ५/७/१५
अधीक्षण अभियन्ता
५वीं विं/वीं० वृत्त, लो०नी०वि०
हल्द्वानी(नैनीताल)

(सदस्य) ५/७/१५
अधीक्षण अभियन्ता
११वीं विं/वीं० वृत्त, लो०नी०वि०
देहरादून

८९०५८

(अध्यक्ष)
मुख्य अभियन्ता (मुख्यालय)
लोक निर्माण विभाग
देहरादून

उत्तराखण्ड में समूह 'घ' के कार्मिकों से ड्राइवर ग्रेड-4 (5200-20200 ग्रेड पे 1900) के पद पर पदोन्नत कर्मचारियों का विवरण – दिनांक 04-07-2015

क्र. सं.	विषय	सामान्य	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	अन्य पिछड़े वर्ग जाति	कुल
1	2	3	4	5	6	7
1	श्रेणीवार नियमित ड्राइवरों के आवटित पदों की संख्या	242 (63%)	73 (19%)	15 (04%)	54 (14%)	384 (100%)
2	श्रेणीवार दिनांक 30-06-2015 तक कार्यरत नियमित ड्राइवरों की संख्या	211	46	04	50	311
3	श्रेणीवार दिनांक 30-06-2015 तक नियमित ड्राइवरों के रिक्त पदों की संख्या	31	27	11	04	73
4	श्रेणीवार नियमित ड्राइवर ग्रेड-4 अधिष्ठान में आवटित पदों की संख्या	85 (63%)	25 (19%)	05 (04%)	19 (14%)	134 (100%)
5	श्रेणीवार नियमित ड्राइवर ग्रेड-4 अधिष्ठान में आवटित पदों की संख्या का 25 %				33	
6	श्रेणीवार दिनांक 03.06.2015 तक समूह 'घ' के कार्मिकों से प्राप्त चयन चार्ट की संख्या				46	
7	श्रेणीवार समूह 'घ' के कार्मिक जिनको ड्राइवर ग्रेड-4 के पद पर पदोन्नत किया जाना है				11	

५१७११८

नियमित वलीनर/ हैल्पर/ ऑपरेटर आदि कर्मचारियों की चालक/ डोजर ऑपरेटर के पद पर पदोन्नति हेतु चयन चार्ट

वृत्त का नाम :- प्रथम वृत्त, लो०नि०वि०, अल्मोड़ा

क्र० सं०	वृत्त/खण्ड का नाम	नाम	पिता का नाम	जन्म तिथि	जाति	वलीनर/ हैल्पर के पद पर नियमित नियुक्ति की तिथि	नियमित सेवा की अवधि	चालक/ ऑपरेटर का HMV/LMV लाइसेंस निर्गत की तिथि	योग्यता कक्षा-८ पास प्रमाण पत्र	पिछले ५ वर्ष की गोपनीय आख्या का सार	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1.	निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, रानीखेत	श्री गिरीष चन्द्र लिह	श्री बच्चे लिह	15-५-१९७७	सामाज्य	१४-७-२०००	१५ वर्ष	२८-१२-२०११ LMV	कक्षा-८ पास	१. वर्ष २०१०-११-उत्तम २. वर्ष २०११-१२-उत्तम ३. वर्ष २०१२-१३-उत्तम ४. वर्ष २०१३-१४-उत्तम ५. वर्ष २०१४-१५- ---	पदोन्नति के पात्र है।

वृत्त का नाम :- द्वितीय वृत्त, लो०नि०वि०, नैनीताल

क्र० सं०	वृत्त/खण्ड का नाम	नाम	पिता का नाम	जन्म तिथि	जाति	वलीनर/ हैल्पर के पद पर नियमित नियुक्ति की तिथि	नियमित सेवा की अवधि	चालक/ ऑपरेटर का HMV/LMV लाइसेंस निर्गत की तिथि	योग्यता कक्षा-८ पास प्रमाण पत्र	पिछले ५ वर्ष की गोपनीय आख्या का सार	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1.	निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०, हल्दानी	श्री सुरेश चन्द्र पाण्डे	श्री पूर्ण चन्द्र पाण्डे	१५-८-१९६०	सामाज्य	१-१-१९९९	१५ वर्ष		कक्षा-८ पास	१. वर्ष २०१०-११-उत्तम २. वर्ष २०११-१२-उत्तम ३. वर्ष २०१२-१३-उत्तम ४. वर्ष २०१३-१४-उत्तम ५. वर्ष २०१४-१५-उत्तम	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
	तदैव -	श्री गोपाल दस्त	श्री हरी दस्त	३-१-१९६३	सामाज्य	७-७-१९९९ (ऑपरेटर)	१५ वर्ष	१९-४-२०१० LMV	कक्षा-८ पास	१. वर्ष २०१०-११-उत्तम २. वर्ष २०११-१२-अति उत्तम ३. वर्ष २०१२-१३-अति उत्तम ४. वर्ष २०१३-१४-उत्तम ५. वर्ष २०१४-१५-उत्तम	पदोन्नति के पात्र नहीं है।

	— उदैव —	श्री कमल कुमार	श्री परमेश्वर	15-6-1963	पिंजरा	16-9-2004	10 वर्ष	16-8-2001 LMV	कक्षा-10 पास	1. वर्ष 2010-11-उत्कृष्ट 2. वर्ष 2011-12-उत्कृष्ट 3. वर्ष 2012-13-अति उत्तम 4. वर्ष 2013-14-अति उत्तम 5. वर्ष 2014-15-अति उत्तम	पदोन्नति के पात्र नहीं है। अधिकारी नाम जानिये।
	— उदैव —	श्री जगद्वय बामद पालीदाल	श्री जगद्वय पालीदाल	15-12-1967	सामान्य	1-9-2011	3 वर्ष	1-12-2000 LMV	कक्षा-10 पास	1. वर्ष 2010-11-उत्कृष्ट 2. वर्ष 2011-12-अति उत्तम 3. वर्ष 2012-13-उत्तम 4. वर्ष 2013-14-अति उत्तम 5. वर्ष 2014-15-अति उत्तम	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
	— उदैव —	श्री नीरुन चन्द्र याण्डे	श्री पुरुषोत्तम याण्डे	3-9-1965	सामान्य	1-9-2011	3 वर्ष	6-12-1993 LMV	कक्षा-8 पास	1. वर्ष 2010-11-उत्कृष्ट 2. वर्ष 2011-12-उत्कृष्ट 3. वर्ष 2012-13-अति उत्तम 4. वर्ष 2013-14-अति उत्तम 5. वर्ष 2014-15-अति उत्तम	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
	— उदैव —	श्री कुमार सिंह	श्री दुनगर सिंह	8-1-1980	सामान्य	16-12-2013	1½ वर्ष	19-3-2001 LMV	कक्षा-5 पास	1. वर्ष 2010-11-अति उत्तम 2. वर्ष 2011-12-अति उत्तम 3. वर्ष 2012-13-उत्तम 4. वर्ष 2013-14-उत्तम 5. वर्ष 2014-15-उत्तम	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
	— उदैव —	श्री विरेन्द्र कुमार	श्री जगन सिंह	30-9-1995	सामान्य	28-5-2014	1 वर्ष	21-8-2014 LMV	कक्षा-8 पास	1. वर्ष 2014-15-उत्तम	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
2.	प्रान्तीय खण्ड, लोठनिंदवा, नैनीताल	श्री निरोश पाल सिंह	श्री बद्री सिंह	10-8-1968	सामान्य	19-12-2011	3½ वर्ष	26-8-1992 LMV	कक्षा-12 पास	वाठगोड आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
	— उदैव —	श्री परशुराम	श्री राम किशन	8-6-1970	पिंजरा	17-12-2011	3½ वर्ष	22-12-2005 LMV	कक्षा-8 पास	वाठगोड आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
	— उदैव —	जगदीश चन्द	श्री रित्व दत्त	9-11-1969	सामान्य	3-9-2011	3½ वर्ष	3-6-1999 LMV	कक्षा-8 पास	वाठगोड आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।

निमाण खण्ड, लो०नि०वि०, गैरीताल	श्री नीहमद अहमद खान	श्री सरफर खान	2-2-1969	पिंजां	20-12-2011	3½ वर्ष	29-8-1988 LMV	कक्षा-8 पास	वाठगोंड आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
— तर्देव —	श्री नीहमद सलीम	श्री रमेश खान	18-5-1975	पिंजां	20-12-2011	3½ वर्ष	26-4-1995 LMV	कक्षा-8 पास	वाठगोंड आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
— तर्देव —	श्री भाष्करानन्द पापडे	श्री उमादात पापडे	10-8-1960	सामान्य	6-4-1999	16 वर्ष	28-4-1992 LMV	कक्षा-8 पास	1. वर्ष 2010-11-उत्तम 2. वर्ष 2011-12-उत्तम 3. वर्ष 2012-13-उत्तम 4. वर्ष 2013-14-उत्तम 5. वर्ष 2014-15- —	पदोन्नति के पात्र नहीं है। <i>अवधारणी का गुण प्राप्त न होने के बावजूद</i>

वृत्त का नाम :- चतुर्थ वृत्त, लो०नि०वि०, रुद्रपुर

क्र० सं०	वृत्त / खण्ड का नाम	नाम	पिता का नाम	जन्म तिथि	जाति	कलीनर/ हेल्पर के पद पर नियमित नियुक्ति की तिथि	मियमित सेवा की अवधि	चालक/ ऑपरेटर का HMV/LMV लाइसेंस निर्गत की तिथि	योग्यता कक्षा-8 पास प्रमाण पत्र	पिछले 5 वर्ष की गोपनीय आख्या का सार	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1.	निमाण खण्ड, लो०नि०वि०, खटीमा	श्री नाईकर दाता जोशी	श्री वाधावल्लभ जोशी	30-1-1964	सामान्य	8-9-1999	15 वर्ष	6-9-2011 LMV	कक्षा-8 पास	1. वर्ष 2010-11-उत्तम 2. वर्ष 2011-12-अति उत्तम 3. वर्ष 2012-13-उत्तम 4. वर्ष 2013-14-अति उत्तम 5. वर्ष 2014-15- —	पदोन्नति के पात्र है।
— तर्देव —	श्री ज्योति प्रसाद	श्री श्याम लाल	1-2-1964	पिंजां	8-9-1999	15 वर्ष	22-5-1987			1. वर्ष 2010-11-उत्तम 2. वर्ष 2011-12-उत्तम 3. वर्ष 2012-13-उत्तम 4. वर्ष 2013-14-उत्तम 5. वर्ष 2014-15- —	पदोन्नति के पात्र नहीं है। <i>ओडीट प्राप्ति अनुमति पत्र न होने के बावजूद</i>

	— उदीय — श्री वेद प्रसाद	श्री रोहन लाल	15-3-1975	पिंजरा	3-11-2004	10 वर्ष	21-12-2004 LMV	कक्षा-8 पास	1. वर्ष 2010-11-अंति उत्तम 2. वर्ष 2011-12-अंति उत्तम 3. वर्ष 2012-13-अंति उत्तम 4. वर्ष 2013-14-अंति उत्तम 5. वर्ष 2014-15- —	पदोन्नति के पात्र है।	
	— उदीय — श्री सुरेश लन्द	श्री द्वारिका प्रसाद	5-9-1966	सामान्य	1-9-2011	3½ वर्ष	10-9-1991 LMV	कक्षा-5 पास	1. वर्ष 2010-11- — 2. वर्ष 2011-12-अंति उत्तम 3. वर्ष 2012-13-अंति उत्तम 4. वर्ष 2013-14-अंति उत्तम 5. वर्ष 2014-15- —	पदोन्नति के पात्र नहीं है।	
	— उदीय — श्री मनोज धाम	श्री हुरीशकर	25-7-1975	सामान्य	12-11-2001	14 वर्ष	9-10-2001 LMV	कक्षा-8 पास	1. वर्ष 2010-11-उत्कृष्ट 2. वर्ष 2011-12-उत्कृष्ट 3. वर्ष 2012-13-अंति उत्तम 4. वर्ष 2013-14-अंति उत्तम 5. वर्ष 2014-15- —	पदोन्नति के पात्र है।	
2.	निर्माण लग्न, लोलानेलोलो काशीपुर	श्री महावीर सिंह	श्री रमप्रसाद	8-1-1963	पिंजरा	28-11-1998	16 वर्ष	28-5-1985 LMV	कक्षा-8 पास	1. वर्ष 2010-11-उत्तम 2. वर्ष 2011-12-उत्तम 3. वर्ष 2012-13-अव्याप्त 4. वर्ष 2013-14-उत्तम 5. वर्ष 2014-15- —	पदोन्नति के पात्र है।
	— उदीय — श्री मोहन रहीम	श्री मोहन रहीम	20-8-1967	पिंजरा	28-11-1998	16 वर्ष	10-2-1986 LMV	कक्षा-8 पास	1. वर्ष 2010-11-अंति उत्तम 2. वर्ष 2011-12-उत्तम 3. वर्ष 2012-13-अव्याप्त 4. वर्ष 2013-14-अंति उत्तम 5. वर्ष 2014-15- —	पदोन्नति के पात्र है।	
	— उदीय — श्री कमल सिंह	श्री कमल सिंह	11-11-1969	सामान्य	6-9-2011	3½ वर्ष	20-5-2004 LMV	कक्षा-12 पास	1. वर्ष 2010-11-उत्तम 2. वर्ष 2011-12-उत्तम 3. वर्ष 2012-13-अंति उत्तम 4. वर्ष 2013-14-अंति उत्तम 5. वर्ष 2014-15- —	पदोन्नति के पात्र नहीं है।	

नूंस ।) नाम :- पंचम विं/यां० वृत्त, लो०निं०विं, हल्दानी

क्र०	वृत्त/लाईट का नाम	नाम	पिता का नाम	जन्म तिथि	जाति	बलीनर/हेल्पर के पद पर नियमित नियुक्ति की तिथि	नियमित सेवा की अवधि	चालक/ऑपरेटर का HMV/LMV लाइसेंस निर्गत की तिथि	योग्यता कक्षा-८ पास प्रमाण पत्र	पिछले ५ वर्ष की योग्यता का सार	टिप्पणी
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
१	विं/यां०ल्कड़, लो०निं०विं, गीगरात	श्री लक्ष्मीर मिह	श्री बालम सिंह	१-१२-१९५६	सामाज्य	२७-११-१९९८	१६ वर्ष	२७-७-१९९५ LMV	कक्षा-५ पास	१. वर्ष २०१०-११-अंते उत्तम २. वर्ष २०११-१२-अंते उत्तम ३. वर्ष २०१२-१३-उत्तम ४. वर्ष २०१३-१४-अंते उत्तम ५. वर्ष २०१४-१५- —	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
२	विं/यां०ल्कड़, लो०निं०विं, बालगुरु	र्मि सत्यप्रकाश	श्री भवन लाल	१७-३-१९८३	पिंजरा	१७-१२-२०११	३½ वर्ष	१८-७-२००६ LMV	कक्षा-८ पास	१. वर्ष २०१०-११-उत्तम २. वर्ष २०११-१२-अंते उत्तम ३. वर्ष २०१२-१३-अंते उत्तम ४. वर्ष २०१३-१४-अंते उत्तम ५. वर्ष २०१४-१५- —	पदोन्नति के पात्र नहीं है।

वृत्त का नाम :- छठा वृत्त, लो०निं०विं, उत्तरकाशी

क्र०	वृत्त/लाईट का नाम	नाम	पिता का नाम	जन्म तिथि	जाति	बलीनर/हेल्पर के पद पर नियमित नियुक्ति की तिथि	नियमित सेवा की अवधि	चालक/ऑपरेटर का HMV/LMV लाइसेंस निर्गत की तिथि	योग्यता कक्षा-८ पास प्रमाण पत्र	पिछले ५ वर्ष की योग्यता का सार	टिप्पणी
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
१	पान्तीय ल्कड़, लो०निं०विं, उत्तरकाशी	श्री गगाल दरत कुकरेती	श्री प्रसादी दरत	२०-८-१९६७	सामाज्य	१-८-१९९९	१५ वर्ष	१२-१२-१९९१ LMV	कक्षा-८ पास	सत्यनिष्ठा प्रमाणित है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
२	पान्तीय ल्कड़, लो०निं०विं, गटवाडी	श्री घंगे सिंह	श्री राज्या सिंह *	१२-१२-१९६८	सामाज्य	१-६-२००२	१३ वर्ष	१३-२-२००६ LMV	कक्षा-८ पास	वांगो० आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।

क्रमसं

पृष्ठ ६

— तर्देव —	श्री शुभेन्दु दत्त	श्री जगद्दान प्रसाद	24-12-1961	सामान्य	1-1-2001	14 वर्ष	17-8-2011 LMV	कक्षा-६ पास	वाहनों आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।	
— तर्देव —	श्री देव चन्द	श्री नारायण	7-12-1957	सामान्य	16-11-1995	19 वर्ष	27-9-1990 LMV	कक्षा-६ पास	वाहनों आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।	
३	गिरीष कुमार, लो०निं०वि०, विन्यालीसी०	श्री सोयत सिंह	श्री गोविंद सिंह	10-7-1963	पिंजरा०	16-11-1995	19 वर्ष	1-2-1989 LMV	कक्षा-१० पास	वाहनों आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।

वृत्त का नाम — आठवाँ वृत्त, लो०निं०वि०, टिहरी

अंक सं०	वृत्त/स्थान का नाम	नाम	पिता का नाम	जन्म तिथि	जाति	कलीनर/ हैल्पर के पद पर नियमित नियुक्ति की तिथि	नियमित सेवा की अवधि	चालक/ ऑपरेटर का HMV/LMV लाइसेंस नियंत्र की तिथि	योग्यता कक्षा-६ पास प्रमाण पत्र	पिछले ५ वर्ष की गोपनीय आख्या का सार	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1.	प्रान्तीय क्षण, लो०निं०वि०, टिहरी	श्री योर सिंह	श्री जगन सिंह	2-5-1969	सामान्य	1-7-1996	19 वर्ष	20-12-1997 LMV	कक्षा-५ पास	1. वर्ष 2010-11-अंति उत्तम 2. वर्ष 2011-12- --- 3. वर्ष 2012-13-उत्तम 4. वर्ष 2013-14-अंति उत्तम 5. वर्ष 2014-15- ---	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
	— तर्देव —	श्री सुरत सिंह	श्री माहू सिंह	10-12-1957	सामान्य	1-3-1980	36 वर्ष	21-6-1979 LMV	कक्षा-५ पास	1. वर्ष 2010-11-अच्छा 2. वर्ष 2011-12- --- 3. वर्ष 2012-13-उत्तम 4. वर्ष 2013-14-उत्तम 5. वर्ष 2014-15- ---	पदोन्नति के पात्र नहीं है।

	— दर्दी —	श्री रामभूषि	श्री महावेद	10-3-1966	सामान्य	1-12-1995	19 वर्ष	20-1-1997 RDRLR	कला-5 पास	1. वर्ष 2010-11-उत्तम 2. वर्ष 2011-12- — 3. वर्ष 2012-13-उत्तम 4. वर्ष 2013-14-अति उत्तम 5. वर्ष 2014-15- —	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
2.	अरवाई साह, लोधिनिधि, पन्नाली	श्री चिरेन्द प्रसाद नाटियाल	श्री चन्द्री प्रसाद नाटियाल	20-6-1972	सामान्य	19-12-2011	3 वर्ष	4-6-1987 LMV	कला-8 पास	वाठगोड आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
3.	अरवाई साह, लोधिनिधि, पन्नाली	श्री मोहन सिंह	श्री प्रसान्न लाल	20-4-1970	मिठापुण	8-7-2011	4 वर्ष	10-1-2008 LMV	कला-8 पास	वाठगोड आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
	— दर्दी —	श्री नल्ही प्रसाद धापलियाल	श्री पीताम्बर दत्त धापलियाल	2-2-1959	सामान्य	1-4-1997	18 वर्ष	10-10-1982 RDRLR	कला-7 पास	वाठगोड आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
4.	निमांण साह, लोधिनिधि, नई दिल्ली	श्री कुमार सिंह	श्री मेनन्द सिंह	12-10-1966	सामान्य	1-12-1995	19 वर्ष	17-2-1995 RDRLR	कला-8 पास	1. वर्ष 2010-11-अति उत्तम 2. वर्ष 2011-12-अति उत्तम 3. वर्ष 2012-13-उत्तम 4. वर्ष 2013-14-उत्तम 5. वर्ष 2014-15- —	पदोन्नति के पात्र है।
5.	निमांण साह, लोधिनिधि, नरेंद्रनगर	श्री कृष्णल सिंह	श्री मुलाव सिंह	1-8-1964	सामान्य	1-8-1999	15 वर्ष	5-8-1985 LMV	कला-5 पास	वाठगोड आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
	— दर्दी —	श्री जयेन्द्र सिंह	स्वप्न श्री नेत्र सिंह	12-11-1982	सामान्य	5-9-2011	3 वर्ष	15-2-2012 LMV	कला-5 पास	वाठगोड आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
	— दर्दी —	श्री पुष्प सिंह	श्री दलीप सिंह	26-9-1969	सामान्य	1-6-2001	14 वर्ष	25-11-1991 RDRLR	कला-5 पास	वाठगोड आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।
	— दर्दी —	श्री धर्म सिंह	श्री कृष्णल सिंह	26-3-1956	सामान्य	31-12-1976	36 वर्ष	12-4-1982 LMV	कला-6 पास	वाठगोड आख्या उपलब्ध नहीं है।	पदोन्नति के पात्र नहीं है।

वृत्त का नाम :— 10वां राष्ट्रीय राजमार्ग वृत्त, लो0निर्वित, देहरादून

क्रम संख्या	वृत्त / व्यापद का नाम	नाम	पिता का नाम	जन्म तिथि	जाति	बलीनर/ हैल्पर के पद पर नियमित नियुक्ति की तिथि	नियमित सेवा की अवधि	चालक/ ऑपरेटर का HMV/LMV लाइसेंस निर्गत की तिथि	योग्यता कक्षा—8 पास प्रमाण पत्र	पिछले 5 वर्षों की योग्यता आख्या का सार	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1.	रामांश लक्ष्मण, लो0निर्वित, रामनी	श्री रियसत	रमौ शर्मा	26-1-1977	रामान्य	11-4-1997	16 वर्ष	17-10-1996 RDRLR	कक्षा—8 पास	1. वर्ष 2010–11–उत्तम 2. वर्ष 2011–12–उत्तम 3. वर्ष 2012–13–उत्तम 4. वर्ष 2013–14–उत्तम 5. वर्ष 2014–15– —	पदोन्नति के पात्र है।
	लक्ष्मण —	श्री हमराज	श्री फकीर सिंह	3-1-1960	पिंजरा	6-8-1999	15 वर्ष	14-11-1985 LMV	कक्षा—10 पास	1. वर्ष 2010–11–उत्तम 2. वर्ष 2011–12–उत्तम 3. वर्ष 2012–13–उत्तम 4. वर्ष 2013–14–उत्तम 5. वर्ष 2014–15– —	पदोन्नति के पात्र है।

वृत्त का नाम :— 11वां विरो/ यां0 वृत्त, लो0निर्वित, देहरादून

क्रम संख्या	वृत्त / व्यापद का नाम	नाम	पिता का नाम	जन्म तिथि	जाति	बलीनर/ हैल्पर के पद पर नियमित नियुक्ति की तिथि	नियमित सेवा की अवधि	चालक/ ऑपरेटर का HMV/LMV लाइसेंस निर्गत की तिथि	योग्यता कक्षा—8 पास प्रमाण पत्र	पिछले 5 वर्षों की योग्यता आख्या का सार	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1.	विरो/ यां0 लक्ष्मण, लो0निर्वित, देहरादून	श्री रामेश कुमार	श्री ईश्वर सिंह	5-2-1962	पिंजरा	9-8-2001	13 वर्ष	24-11-1981 LMV	कक्षा—10 पास	1. वर्ष 2010–11–उत्तम 2. वर्ष 2011–12–अति उत्तम 3. वर्ष 2012–13– — 4. वर्ष 2013–14–अति उत्तम 5. वर्ष 2014–15– —	पदोन्नति के पात्र नहीं है। लाइसेंस दर्ता नहीं किए गए हैं।

*

उत्तरांचल शासन

कार्यिक अनुमान-2

संख्या 600/कार्यिक-2/2003-55 (26)/2002

देहरादून 13 जून, 2003

आविस्तरना

पृष्ठीय

संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक इस प्रदल शक्ति का प्रयोग करके और इस विषय पर गमन सिवाय और आदेशों का अतिक्रमण करके, भी राज्यपाल, उत्तरांचल सरकारी विभाग द्वाइवर सेवा में भी है और इस विषय का व्याप्तिशील की सेवा की रातों को विनियोगित करने के लिए विनियोगित विषमावली अनादेश है :-

उत्तरांचल सरकारी विभाग द्वाइवर सेवा विषमावली, 2003

भाग-1

रामान्य

ठिकाना अंक अंक 1. (1) यह विषमावली उत्तरांचल सरकारी विभाग द्वाइवर सेवा विषमावली, 2003 का लाइफी।
अंक 2. (2) यह तुरन्त प्रभाव से द्वेष्ट होती।

सेवा की विधियाँ 2. किसी सरकारी विभाग या कार्यालय में द्वाइवर सेवा में समूह "ग" के बदलाविष्ट हैं।
इन विषयों का लागू 3. यह विषमावली संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक के अधीन भी राज्यपाल की विषमावली की व्यक्ति के अधीन किसी सरकारी विभाग या कार्यालय में द्वाइवर से बदलाव होती।

विषमावली प्रभाव 4. यह विषमावली संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक के अधीन राज्यपाल द्वाया बनाए किन्ती अथवा विषमों या सांसदाओं प्रदल आदेशों में दी गयी प्रतिकूल बात के होते हुए विषमावली होती।

प्रतिवाप 5. जब एक विषय या राज्य में बोर्ड प्रतिकूल बात न हो, इस विषमावली में-
(अ) "विद्युति प्राधिकारी" का लाइफी व्याप्तिशील सुसमत देवा विषमावली या लाइफी अनुदेशों के अधीन किसी सरकारी विभाग या कार्यालय में द्वाइवर के बदलाव विषमावली के लिए वारकर किसी प्राधिकारी से है;

(ब) "भारत का नागरिक" का लाइफी व्याप्ति से व्यक्ति से हो या संघर्षों वाले, का नागरिक हो या संघर्षों वाले,

(व) "संविधान" का लाइफी "भारत का संविधान" से है;

(द) "सरकार" का लाइफी उत्तरांचल राज्य की सरकार से है;

(इ) "संक द्वाया" का लाइफी देवा के संबर्न में विशी बदलाव पर इस विषमावली के अधीन भीतिज रूप से व्यक्ति होते होंगे के पूर्ण प्रयत्न विषमों या आदेशों के अधीन मीतिज रूप से व्यक्ति होते हैं।

(ii) "सेवा" का तात्पर्य किसी सरकारी विभाग या कार्यालय में कार्रवाई सुनिश्चित सेवा नियमावलियों या कार्रवाई अनुदेशों के अंतीन नियित द्वाइबर सेवा से है;

(iii) "वैसिक नियुक्ति" का तात्पर्य सेवा के संबंध में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति से है जो तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमों के अनुसार चाहने के पश्चात् वही गई हो और यदि कोई नियम न हो, तो सरकार द्वारा यारी किये गये कार्रवालक अनुदेशों द्वारा तत्समय विहित प्रक्रिया के अनुसार की गई हो;

(iv) "भर्ती का वर्ष" का तात्पर्य किसी कालेण्डर वर्ष की पहली जुलाई से प्रारम्भ होने वाली बारह मास की अवधि से है।

भाग-2

संघर्ष

प्रत्येक सरकारी विभाग या कार्रवालय में सेवा की साधारण स्थिति, उतनी होनी जितनी रक्षात्मकी, सेवा पद संघर्ष सुनिश्चित सेवा नियमावलियों या कार्रवालक अनुदेशों के अंतीन रामब-रामब पर सरकार द्वारा "अवारेट" करायी जाए।

भाग-3

भर्ती

सेवा में किसी पद पर गती शीघ्री भर्ती द्वारा की जाएगी।

भर्ती का घोष

अनुशृण्टि यात्रियों, अनुशृण्टि यानवालियों और अन्य शेणियों के अन्यायियों के लिए आवश्यक, वाराणी गती के रामब प्रदूच सरकार के आदेशों के अनुसार किया जायेगा।

भाग-4

आहंकार

सेवा में किसी पद पर गती शीघ्री भर्ती के लिए आवश्यक है कि अन्यथी—

रामब

(a) भारत का नामांक हो; या

(b) लिखती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी निवास के अनिवाय से गहती जानवरी, 1982 के पूर्व भारत आया हो; या

(c) भारतीय उद्भव का ऐसा व्यक्ति हो जिसने भारत में स्थायी निवास के अनिवाय से एकिस्तान, बर्मा, लीसका या किसी पूर्वी अफ्रीकी देश, सोव्या, चुगान्दा और दूनाईटैन रिपब्लिक ग्रॉफ तांजानिया (पूर्ववर्ती तांगानिका और जानीबर) से प्रवासन किया हो।

परन्तु उपर्युक्त बेंची (b) या (c) के अन्यथी को ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जिसके पहले ने रामब रामब द्वारा पात्रता का द्रव्यमान-पत्र जारी किया गया हो।

परन्तु यह और कि बेंची (b) के अन्यथी से वह भी अपेक्षा की जायेगी कि वह पुलिस द्वारा अनुशृण्टि कराया जाएगा, चार्टरांबल जो पात्रता का प्रमाण-पत्र प्राप्त कर ले।

परन्तु यह भी कि वह कोई अधिकारी उपर्युक्त भेदी (ए) का ही लो पाकता ना प्रमाण—यद्य एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए यारी नहीं किया जायगा और ऐसे अधिकारी का एक वर्ष की अवधि को आगे सेवा में इस शर्त पर लाने दिया जायगा कि वह भारत नी नागरिकता प्राप्त कर ले।

टिप्पणी—ऐसे अधिकारी को जिसके बाहर से पाकता का प्रमाण—यद्य आवश्यक हो किन्तु यह न हो जारी किया गया हो और न देने से इनकार किया गया हो, किसी परीक्षा या शाकात्कार में समिलित बिना जा सकता है और उसे इस शर्त पर अनिवार्य रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है कि आवश्यक प्रमाण—यद्य उसके द्वारा प्राप्त कर लिया जाय वा उसके पक्ष में यारी कर दिया जाय।

- व्यु 10. यीदी भर्ती के लिये वह आवश्यक है कि अधिकारी वे भर्ती के वर्ष छो, जिसमें रिक्तियाँ विद्युतित या अधिसूचित की जायें, पहली जूलाई को इच्छित वर्ष की आगु प्राप्त कर सी हो और वीली वर्ष-अधिक आगु प्राप्त न की हो :

परन्तु अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और ऐसी जन्य बैठियों के लो सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाय, अधिकारी वीली वर्ष की दशा में सुधार आगु सीना चढ़ाने वर्ष अधिक होगी जिसकी विनियिक्त की जाय।

- राजिकारी और नीतिक बहिरात 11. सेवा में सीटी भर्ती के लिये अधिकारी की निम्न आईसाएं होनी आवश्यक हैं—

(एक) किसी मान्यता प्राप्त सौमिक सेवा में आठवीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण कर सी हो; और

(दो) प्रधारिकारी भारी हस्ते याहन बलाने का वैष्य यूआइंग लाईसेंस नियम 10 के अन्तर्गत रिक्ति के सेवाओंजन कार्यालय उप अधिसूचित किये जाने के दिनांक के पूर्व से तीन वर्ष से अन्तर अवधि का रखता हो।

- अधिकारी अवधि 12. अन्य भर्ती के समान होने पर भर्ती के बाहर से पर ऐसे अधिकारी को सेवा में अधिकार दिया जायगा, जिसने—

(एक) माध्यमिक विद्या परिषद उत्तर प्रदेश अधिकार उत्तराधिकार विद्या एवं परीक्षा परिषद की हाई एक्जाम परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो;

(दो) याहन यांत्रिकी या इत्य हो;

(तीन) प्रादेशिक सेवा में भूमतम हो वर्ष की अवधि तक सेवा की हो।

- भौति 13. सेवा में भर्ती के लिये अधिकारी का खरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह सरकारी सेवा में सेवायोजन के लिए सभी प्रकार हो उपर्युक्त हो सके। नियुक्ति प्राधिकारी इस संबंध में अपना सम्मत कर लेगा।

टिप्पणी—संघ सरकार या किसी राज्य सरकार या राज्यानीय प्राधिकारी द्वारा या संघ सरकार या राज्य सरकार के राजनीतिकार्यीन या नियंत्रणाधीन विश्वी नियम या निकाव द्वारा पदब्द व्यक्ति सेवा में किसी वर्ष पर नियुक्ति के लिये यात्र नहीं होंगे। नीतिक अपराध के लिए अपराध के लिए दोष सिद्ध व्यक्ति भी यात्र नहीं होंगे।

- डैक्टिक डारिक्याति 14. सेवा में भर्ती के लिए ऐसा पुरुष अधिकारी यात्र न होना जिसकी एक से अधिक दीनियाँ जीवि हीं या ऐसी महिला अधिकारी यात्र न होगी जिसने ऐसी पुरुष से विवाह किया हो जिसकी यह से एक पत्नी जीवित हो।

परन्तु रारकार किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है यदि उसका यह समाधान हो जाए कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान हैं।

किसी व्यक्ति को उसे में नियुक्त नहीं किया जाएगा जब तक कि भानसिक और शारीरिक शारीरिक स्वस्थता दृष्टि से उसका स्वास्थ्य अच्छा न हो और वह किसी ऐसे शारीरिक दोष से मुक्त न हो जिससे उसे अपने कार्यबोधों का दक्षतापूर्वक पालन करने में काफ़ी पड़ने ली रामबाबुना हो। किसी अभ्यर्थी की सेवा में नियुक्ति के लिए अनियम समझ से अनुमोदित किये जाने के पूर्व उससे यह अपेक्षा की जाएगी कि वह काइरोनिशियल हॉस्पिट-युक, स्प्रिंग-यो, भाग-हीन के अस्पाय-हीन में दिये गए कार्यालयमेन्टल भूत 10 के अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत हो।

भाग-5

मर्ती की प्रक्रिया

नियुक्ति प्राप्तिकारी वर्ष के द्वारान मरी जाने वाली रिक्षियों की संख्या और नियम 8 के अधीन रिक्षियों का अनुसूचित जाहिरी, अनुसूचित जनजातियों और जन्म लेशियों के अन्वर्तितों के लिए जारीकित की जाने वाली रिक्षियों की संख्या भी अवश्यारित करेगा। नियुक्ति प्राप्तिकारी लत्सभ्य प्रवृत्त रारकार के नियमों और आदेशों के अनुसार रिक्षियों लेशायोजन कायलिय को अधिसूचित करेगा और वह प्रमुख समाचार-पत्रों में रिक्षियों को विद्यापित भी करायेगा।

(1) अधीनी मर्ती के प्रबोधन के लिए एक घरन समिति गठित की जाएगी जिसमें विमालिकित रिक्षियों की प्रक्रिया होंगी:-

क्रमांक क्रमांक नियुक्ति प्राप्तिकारी:

(ट्री) यदि नियुक्ति प्राप्तिकारी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का न हो तो नियुक्ति सभ्य प्राप्तिकारी द्वारा नाम निर्दिष्ट अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का कोई अधिकारी। यदि नियुक्ति प्राप्तिकारी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो नियुक्ति प्राप्तिकारी द्वारा नाम निर्दिष्ट किया जाने वाला अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति की भिन्न कोई अधिकारी;

(फ्रॅ) नियुक्ति प्राप्तिकारी द्वारा नाम निर्दिष्ट दो अधिकारी जिनमें से एक अल्पसंख्यक समुदाय का सभ्य और दूसरों पिछड़े वर्ग का होगा। यदि ऐसे उपसूचित अधिकारी उसके विभाग का सभितग में उपलब्ध न हो तो ऐसे अधिकारी नियुक्ति प्राप्तिकारी के अनुसौप पर संबंधित जिला बैरिस्ट्रीट द्वारा नाम निर्दिष्ट किये जायेंगे;

(ग्रॅ)(1) संबंधित सम्भाग का सम्मानीय परिवहन अधिकारी या उसका नाम निर्दिष्ट व्यक्ति जो सभ्य सहायक सम्मानीय परिवहन अधिकारी से नियम सार का न हो।

(2) जीवी या शेशायोजन कायलिय के सामग्री से प्राप्त आवेदन-पत्रों की संबीक्षा नियुक्ति प्राप्तिकारी द्वारा की जायेगी जो ऐसे व्यक्षियों को जो इस नियमावली के अधीन आहे हो, साहात्कार और द्राईविंग परीक्षा के लिए बुलायेगा :

परन्तु यह और कि सीधी मर्ती के प्रयोजन के लिए गठित घरन समिति औषिक आहेला एवं याहुन चलाने का वैष्य द्राईविंग लाइसेन्स की अवधि के आधार पर इतने आवेदकों को साहात्कार और द्राईविंग परीक्षा के लिए बुलायेगी जितना वह उचित समझे।

(3) अध्यन समिति साक्षात्कार और द्वाई/इंग परीक्षा के परिपूर्ण अधिकारीयों की उनकी प्राप्ति लेने में जैसा कि साक्षात्कार और द्वाईविग परीक्षा में उनके हाराप्राप्ति अंकों के पार प्रकट हो, एक सूची लेखार करेगी, यदि यो या अधिक अध्यक्षीय बराबर-बराबर अंक प्राप्त करें तो उनके चयन नियमों पर लिये उनकी सामान्य उपयुक्तता को उत्तीर्ण कार्य के अन्त पर उनके नाम दीखेगा ज्ञान में रहेगी। सूची में नामों की संख्या नियमितों की संख्या अधिक (किन्तु प्रतीक्षा प्रीतिकारी अनधिक) होती है। अध्यन समिति सूची नियुक्ति प्राप्तिकारी को अनुसारित करेगी।

भाग-6

नियुक्ति, परिवीक्षा, स्वायीकरण और ज्येष्ठता

नियुक्ति

18. (1) नियुक्ति प्राधिकारी अधिकारीयों के नाम उत्तीर्ण लेने के लिये जिसमें वे नियन 17 के अधिकार तो उनकी सूची में आये हों नियुक्तियाँ करेगा।
- (2) यदि किसी एक अध्यन के लिये नियुक्ति के एक से अधिक बाइंग जारी किये जाएं हैं एक समुक्त आदेश भी जारी किया जाएगा जिसमें व्यक्तियों दो नामों का उल्लेख ज्येष्ठ ज्ञान में किया जाएगा जैसी अध्यन में अनुसारित की जाए।

परिवीक्षा

19. (1) जैसा में लिखी पाए पर भीति : रूप से नियुक्ति किये जाने पर प्रत्येक अधिकारी दो तर्फ अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखा जाएगा।
- (2) नियुक्ति प्राधिकारी ऐसे का गाँ से जो अभिलिखित किये जायेंगे, बल्ग-जलग समझौते परिवीक्षा अधिकारी को बहा सकता है जिसमें ऐसा दिनांक विभिन्न दिया जाएगा जो उस अवधि बढ़ाई जाए।

परन्तु आपयादित गाँ-रिक्षियों के सिवाय परिवीक्षा अधिक एक वर्ष से अधिक और किसी भी परिविहित में दो वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जायगी।

- (3) यदि परिवीक्षा अधिकारी या बढ़ायी गयी परिवीक्षा अधिकारी के दोस्रान लिखी भी समय या उत्तमता में नियुक्ति प्राधिकारी को यह प्राप्त ही कि परिवीक्षाधीन अधिकारी ने अपने अवधारों के पर्याप्त उपयोग नहीं किया है, या उत्तोष प्रदान करने में अन्यथा विफल रहा है, तो उसके समाप्त की जा सकती है।
- (4) ऐसा परिवीक्षाधीन व्यक्ति, जिसकी जैवाई उप-नियम (3) के अंधीन समाप्त छो पाये, अपने प्रतिकर का हकदार नहीं होगा।

समाप्तिकरण

20. ऐसे परिवीक्षाधीन अधिकारी को परिवीक्षा अधिकारी या बढ़ायी गयी परिवीक्षा अधिकारी दो तर्फ उसको नियुक्ति में रखायी कर दिया जाएगा, यदि—
 - (एक) उसका कार्य और आवहन संतोषजनक पाया जाए;
 - (दो) उसकी स्वरक्षिता प्रमाणित कर दो जाए; और
 - (तीन) नियुक्ति प्राधिकारी का यह समाप्त हो जाए कि इह स्थायी किटे जाने के लिए अन्य उपयुक्त है।

ज्ञानात्मक

21. द्वाईवर के पारे पर जीतिक रूप से नियुक्त अधिकारीयों की ज्येष्ठता समय-समय पर उस संशोधित उत्तरांगन सहकारी सेवक ज्येष्ठता नियमावली, 2002 के अनुसार अनुसारित होगी।

भाग—७

वेतन आदि

सेवा में किसी पद पर नियुक्त व्यक्ति का अनुभव सेवनमान ऐसा होगा जैसा सरकार द्वारा वेतनमान समय-समय पर अवधारित किया जाए।

22. एचडीमेन्टल जन्म में किसी प्रतिकूल उपचय के होते हुए भी, परिवीक्षाधीन व्यक्ति को यदि उह पहले से स्थायी सरकारी सेवा में न हो, समदनाग में उसकी प्रथम वेतनवृद्धि तभी दी जायगी जब उसने एक वर्ष की रातोंपञ्चक सेवा पूरी कर ली हो, और द्वितीय वेतनवृद्धि दो वर्ष की सेवा के पश्चात् तभी दी जायगी जब उसने परिवीक्षा अवधि पूरी कर ली हो और उसे स्थायी भी कर दिया गया हो:

एरन्तु यदि संसोध प्रदान न कर सकने के कारण परिवीक्षा अवधि बढ़ायी जाए तो इस प्रकार बढ़ायी गई अवधि की मानना वेतनवृद्धि के लिए नहीं की जायगी जब तक कि नियुक्ति प्राप्तिकारी अवधा नियोग न दें।

भाग—८

अन्य विनियमन

24. सेवा में लागू नियमों के अद्वितीय अपेक्षित किसारियों से मिल किसी सिफारिशों पर, चाहे वह अपर्याप्त लिखित हों, जाहे नोटिकल, विषय नहीं किया जायगा। किसी अध्यव्यवधी की ओर से अपनी अन्याधिकारों के लिए वर्त्यका या अपर्याप्त रूप से उभयन पापा करने का कोई प्रयत्न चर्चा नियुक्ति के लिए उठाई जाएगा।

25. ऐसे विषयों के संबंध में जो विनियोगित रूप से इस नियमावली या विशेष आदेशों के अन्तर्गत न जाते हों, सेवा में नियुक्त अधिकारीजय के कार्यकालायों के संबंध में सेवन सरकारी सेवकों पर जानान्वयना लागू नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा नियन्त्रित होंगे।

26. यही राष्ट्र सरकार का यह समाधान हो जाए कि सेवा में नियुक्त अधिकारीयों की सेवा की तात्पूरता और विनियमित करने वाले किसी नियम के प्रमाणीन से किसी विशेष वागते में अनुचित कठिनाई होती है, वही वह उस वागते में लागू नियमों में किसी बात को होते हुए भी, आदेश द्वारा उस नियम की अपेक्षाओं को उस तीना तक और ऐसी तात्पूरता के अधीन रहते हुए, जिन्हें उह वागते में व्याप संगत और साम्यान्वयी रीति से कार्यवाही करने के लिए आवश्यक समझी, अवमुक्त या कियित कर सकती है।

27. इस नियमावली में किसी बात का कोई प्रभाव ऐसे आवश्यक और अन्य रियायतों पर नहीं पड़ेगा, जिनका इस संबंध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गये सरकार के आदेशों के अनुसार अनुगृहित जारीयों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष समियों के व्याख्यातों के लिए उपबन्ध किया जाना अपेक्षित है।

आज्ञा ते,

आलोक कुमार जैन,
सचिव।

उत्तर प्रदेश सरकार
नामिं अनुमान-।,
संख्या: 13/12/93-ए-।/1993,
वृत्ति, दिनांक: ।।४ : अक्टूबर, 1993
उपस्थिति

पूछी

तांचान के अनुच्छेद-309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त इसित का प्रयोग उके और इस विषय पर सभलता किमान नियमों और आदेशों वा अधिकार वर्ते राज्याल उत्तर प्रदेश तरका विभाग द्वाइवर तेवा में भर्तों और उसमें नियुक्त व्यावहारियों वी तेवा की गतों जो विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

"उत्तर प्रदेश सरकारी विभाग द्वाइवर तेवा नियमावली, 1993"

संविधान नाम

भाग-।— सामान्य

- | | |
|------------------------------|--|
| संविधान नाम
और ग्राम्य | 1. (१) यह नियमावली उत्तर प्रदेश सरकारी विभाग द्वाइवर तेवा नियमावली, 1993 की वास्तवी |
| तेवा की
प्राप्तिश्वास | 2. यह तूरन्त प्रवृत्त होगी। |
| इन नियमों
वा तागू
होना | 3. जिसी सरकारी विभाग या जार्यालिय में द्वाइवर तेवा में समूह "ग" के पद तभाविष्ट हैं। |
| अधिकारोंही
प्राप्ति | 4. यह नियमावली तांचान के अनुच्छेद-309 के परन्तु के अधीन राज्याल द्वारा बनाये गये किन्हीं अन्य नियमों वा तहसील प्रवृत्त आदेशों में दी गयी जिसी प्रतिकूल बात वे होते हुए भी प्रभावी होगी। |
| परिमाणार्थ | 5. यह तर्फ विषय या संदर्भ में पोई प्रतिकूल बात न हो इस नियमावली में:-
(१) "नियुक्ति प्राप्तिश्वासी" वा जात्यर्थ, व्याप्तिश्वासी, तुलन्त तेवा नियमावली या लाईपालक अनुदेशों के अधीन जिसी सरकारी विभाग या जार्यालिय में द्वाइवर के पद पर नियुक्ति छरने के लिए सफलता जिसी प्राप्तिश्वासी ते है;
(२) "भारत वा नागरिक" वा जात्यर्थ ऐसे व्यक्ति ते हैं जो तांचान के भाग वे हे अधीन भारत वा नागरिक हो वा तेवा जात्यर्थ |

- {१} "संविधान" का तात्पर्य "भारत का संविधान" है;
- {२} "तरकार का तात्पर्य उत्तर द्रष्टव्य की सरकार है;
- {३. १} "तेवा का तदर्थ" जा तात्पर्य तेवा के संर्वर्ग में किसी पद पर इतने नियमाकारी पाए इतने नियमाकारी के प्रारम्भ होने के पूर्व प्रवृत्ति नियमों पाए आदेशों के अधीन श्रीलिङ्ग स्थित होने व्यापक है;
- {३. २} "तेवा" का तात्पर्य यह होने तरकारों के भिन्न या वार्षिक में व्यापारियों द्वारा तेवा-नियमाकारीदौरे पाए जार्यपालक अनुदेशों के अधीन द्वाइकर देखा होता है;
- {४. १} "श्रीलिङ्ग नियुक्ति" का तात्पर्य तेवा के संर्वर्ग में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति हो है जो उद्योग नियुक्ति न हो और नियमों के अनुसार चयन के पश्चात् वीर्य द्वारा और यथि जोई नियम न हो, तो तरकार द्वारा जारी रखिये गये जार्यपालक अनुदेशों द्वारा तत्काल विभिन्न प्रशिक्षण के अनुसार वीर्य होता है;
- {४. २} "भर्ती का कर्त्ता" जा तात्पर्य किसी फ्लैटर कर्त्ता की पहली जुलाई होने प्रारम्भ होने वाली बारह मास वीर्य अवधि होती है;

भाग-दो—संर्वर्ग

- तेवा - १
संर्वर्ग १. प्रार्थक तरकारों के भिन्न या वार्षिक में तेवा की तदर्थ तेवा, उतनी होनी जितनी, व्यापारियों, तुलगता तेवा नियमादानियों या जार्यपालक अनुदेशों के अधीन तम्य-समय पर सरकार द्वारा, व्यापारित की जाय।

भाग-तीन—भर्ती

- भर्ती का स्रोत ७. तेवा में किसी पद पर भर्ती तीर्थी भर्ती द्वारा हो जायगी।
आरब्धण ८. अनुसूचित यार्तियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य श्रेष्ठियों के अधिकारीयों के लिए आरब्धण, भर्ती के समय प्रदृश्य तरकार के आदेशों के अनुसार किया जायगा।

भाग-चार—अहंकार

- राजिकाला ९. तेवा में किसी पद पर तीर्थी भर्ती के लिए जाकायक है कि अधिकारी—
को भारत का नागरिक हो, या

{३} तिक्ष्णती जरपार्ही हो, जो भारत में स्थापी निवास हे जमियाय ते
पहली जनधरो, 1962 के पूर्व भारत जाया हो, या

{४} भारतीय उद्योग का ऐसा व्यक्ति हो पिलाने, भारत में स्थापी निवास
हे जमियाय ते पाइस्तान, कर्म, जी लंग या जिसी पूर्वी अफ्रीकी देश
के निया, सुगांडा और युनाइटेड रिपब्लिक आफ अ तन्यानिया। पूर्वीकर्ता
तांगानिङ और लंजीवारहे हे प्रश्न दिया हो;

परन्तु उपर्युक्त वेणी {५} या {६} के अध्यर्ही को ऐसा
कित होना पाहिर जितके पक्ष में राज्य तरकार द्वारा पात्रता का
प्रमाण-पत्र बाटी किया गया हो:

परन्तु यह जौर कि वेणी {५} के अध्यर्ही हे यह भी अपेक्षा
की जायेगी कि वह पुलित उप महानिरोधक, आभूतूपना शाबा, 1960
ते पात्रता का प्रमाण-पत्र प्राप्त कर तें:

परन्तु यह भी कि यदि होई अध्यर्ही उपर्युक्त वेणी {६} का
हो तो पात्रता का प्रमाण-पत्र एक कर्ता ते उपिक अवधि के लिए जारी
नहीं किया जायगा और ऐसे अध्यर्ही को एक कर्ता की अवधि के आगे
लेका में इस जर्ते पर रहने दिया जायगा कि वह भारत की नागरिकता
प्राप्त कर तें।

टिप्पणी: ऐसे अध्यर्ही को जितके मामले में पात्रता का प्रमाण-पत्र आवश्यक हो
किन्तु वह न तो जारी किया गया हो और न देने से हन्दार
किया जा गया हो, जिसी परिधि पा साधारणा में सम्मानित
किया जा सकता है और उसे इस शर्त पर उननितम स्व ते नियुक्त
भी किया जा सकता है कि आपका प्रमाण-पत्र उसके द्वारा प्राप्त
कर लिया जाय या उसके पक्ष में जारी कर दिया जाय।

10. सीधी भर्ती के लिये यह आवश्यक है कि अध्यर्ही ने भर्ती के कर्ता की,
जितमें रिक्तयाँ छिपायी या आपसूचित की जाये पहली चुलाई जो इसीकी
कर्ता हो आपसूचित कर ली हो और बत्तीकर्ता ते उपिक आयु प्राप्त न की
हो;

परन्तु उनसूचित जास्तियाँ, अनुसूचित जन्मातियाँ और ऐसी अन्य लेखियाँ हे
जो तरकार द्वारा सम्प्रत्यक्ष पर उपिकृचित हो जायें, अध्यर्थियाँ जी द्वारा में
उच्चार जाय तीमाँ उतने कर्ता उपिकृचित होगी जितनी धिनिर्धिक्ट ही जाय।

रायिक और
शैक्षिक अहंतारं

11. तेवा में सीधी भर्ती के लिये अभ्यर्थी जो निम्न अहंतारं होनी आवश्यक है:-

इदौ। किसी बान्धवा प्राप्ति शैक्षिक लैंगरा ते आठवीं क्षा ली परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो, और

इदौ। यथास्यति भारी पा हन्दे धार्हन खाने का वैष्ण द्वार्दशिंग लाइल्ट्स अन्यम्-16 के अधीन रिंगल के लेखादोजन अर्गलिय जो आधे-सुखल फिये याने के लिंगल के लूँगे ते तीन वर्ष से अन्धून अवधि जा रखता हो।

अधिकारी
अहंता

12. अन्य भर्ती के त्रिमान लौने पर भर्ती के मान्दे में ऐसे अभ्यर्थी हों तेवा एं अधिकारी दिया जाप्ता जितने:-

इदौ। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश की हाईट्स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो;

इदौ। धार्हन धार्हिली का हान हो;

इतीन्। प्रादेशिक लेना में न्यूनतम दो क्षर्ष जो अयांग तज तेवा जी हो;

13. तेवा में भर्ती के लिये अभ्यर्थी का घरित्र रेता होना पाइस कि वह तरकारी नेथा में लेखादोजन के लिस सभी प्रज्ञार से उपयुक्त हो तके। नेपुदित प्राप्तकारी इत सम्बन्ध में अपना समाधान ले लेगा,

टिप्पणी:- तंय तरकार पा फिली राज्य तरकार या स्वानीय प्राप्तिकारी होरा या तंय तरकार या राज्य सरकार के स्वामित्वाधीन पा नियंत्रणाधीन किसी निगम या निकाय होरा पदच्युत व्यक्ति लेवा में किसी पद परानियुक्ति के लिये पात्र नहीं होगें। 'भौतिक अधिकारी के किसी अपराप के लिये दोष तिल च्यांका भी पात्र नहीं होगें।'

धैर्याद्वय
प्राप्तिवति

14. लेवा में भर्ती के लिये रेता पुरुष अभ्यर्थी पात्र न होगा जितकी एउ हे जांधक पातिनपाँ जीक्षा हों या ऐती महिला अभ्यर्थी पात्र न होगी जिसने रेते पुरुष से विवाह लेपा हो जितकी पहले ते सक पत्नी जीक्षा हो;

परन्तु तरकार फिली व्यक्ति जो इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे जाएगी है परिद उत्तरा यह समाधान हो जाय डि रेता जरने के लिए विशेष जारी कियाजान है।

त्रीरिह स्वत्पत्ता

15. किसी अधिक छो तेवा में नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक फि मानसिक और शारीरिक दृष्टि ते उत्था स्थाप्त्य अच्छा न हो और वह किसी ऐसे शारीरिक दोष ते मुक्त न हो जिसे उत्थने लक्षणों द्वारा दखलापूर्वक पालन भरने में आधा पहुँचे ही सम्भावना हो। किसी अधिकी छो तेवा में नियुक्ति के लिए इन्हिम स्व ते अनुग्रहोदित किये जाने के पूर्व उसे यह अपेक्षा ही जायगी कि वह काइनेशिंगल हैण्ड शुज, खण्ड-दो, मांग तीन के अध्यक्ष तीन में दिये गये कम्डामेंटल ल्ल-10 के अधीन बनाये गये नियमों के अनुसार स्वत्पत्ता प्रमाप-पत्र प्रस्तुत हों।

आन यांच— भर्ती हो प्रक्रिया

रोकेसर्व वा
पदारण

16. नियुक्ति प्राप्तिकारी वर्ष के दौरान भर्ती जाने वाली रिक्तियों हो निया और नियम-४ के अधीन अनुशूलित जारीपत्रों, अनुशूलित जनकालिपों और अन्य क्रांतियों के अध्यार्थियों के लिए आरक्षित ही जाने वाली रिक्तियों ही संख्या भी अवधारित होगा। नियुक्ति प्राप्तिकारी तत्त्वय प्रवृत्त सरजार के नियमों और आदेशों के अनुसार रिक्तिपात्र तेवापोजन कार्यक्रम हो अधिकृति होगा और वह प्रमुख समाचार पत्रों में रिक्तियों ही कियाजित भी बरायेगा।

अधीि भर्ती
में प्रक्रिया

17. ११६ सीधी भर्ती के प्रयोजन के लिए एक घण्टन तभिति गठित ही जायगी जिसमें निम्नलिखित होंगे:-

१[सप्त]	नियुक्ति प्राप्तिकारी	अध्यक्ष
२[दो]	यदि नियुक्ति प्राप्तिकारी अनुशूलित जाति या अनुशूलित जनकालि ला न हो तो नियुक्ति प्राप्तिकारी द्वारा नाम निर्दिष्ट अनुशूलित जाति या अनुशूलित जनकालि का कोई अधिकारी। यदि नियुक्ति प्राप्तिकारी अनुशूलित जाति या अनुशूलित जनकालि ला हो तो नियुक्ति प्राप्तिकारी द्वारा नाम निर्दिष्ट किया जाने वाला अनुशूलित जाति या अनुशूलित जनकालि ते भिन्न कोई अधिकारी—	सदस्य
३[तीन]	नियुक्ति प्राप्तिकारी द्वारा नाम निर्दिष्ट दो अधिकारी जिसमें ते एक अध्यक्ष-कामुदाय-का और दूसरा पिछड़े	

र्ध ना होगा। पदि ऐसे उपयुक्त आधिकारी उत्तेषणाग या संघन में उपलब्ध न हों तो ऐसे आधिकारी नियुक्त प्राप्तिकारी के इनुतोष पर तंत्रित्यत किला भाजलट्रैट द्वारा नाम निर्दिष्ट लिये जायें।-----सदस्य

३५४ संविधित सम्भाग वा हम्भागीय परिवहन अधिकारी या उत्तरा नाम निर्दिष्ट व्यक्ति जो तहापक सम्भागीय परिवहन अधिकारी हो निम्न स्तर का न हो,-----सदस्य

३५५ तीसे ८ तेपाचोजन लाभित्य के माध्यम से ग्राहक आवेदन पत्रों की संचोक्ता नियुक्त प्राप्तिकारी द्वारा की जायेगी जो ऐसे व्यक्तियों को जो इस नियमावली के अधीन झई हों, साधारणकार और द्वाइविंग परीक्षा के लिये कुलायेंगा।

३५६ घयन समिति साधारणकार और द्वाइविंग परीक्षा के पश्चात अध्यर्थी वी उनकी प्रवीणता क्रम में जैसा कि साधारणकार और द्वाइविंग परीक्षा में उनके द्वारा प्राप्त ऊँओं के धोग ते से प्रकट हो, एक शी तैयार करेगी। पदि दो या अधिक अध्यर्थी घरावर-घरावर अंक प्राप्त करें तो घयन समिति पद के लिये उनकी तामान्य उपयुक्तता के आधार पर उनके नाम घोग्यता क्रम में रखेगी। सूची में नामों की संख्या रिकित्यों वी संख्या से अधिक छिन्नु पच्चीस प्रतिशत से अनधिक होगी। घयन समिति सूची नियुक्त प्राप्तिकारी को, झग्तारित करेगी।

भाग ८:-नियुक्ति, परिवीक्षा, स्थायीकरण और जफेठता

नियुक्ति

10. नियुक्ति प्राप्तिकारी अध्यर्थीों के नाम उत्ती क्रम में लेकर, जिसमें दो निपम-१७ के अधीन तेपार की गयी सूची में जाये हों, नियुक्तियां लगेगी।
११. पदि किती एक घयन के तम्भन्य में नियुक्ति के एक से अधिक आदेश जारी किये जायें तो एक संयुक्त आदेश भी जारी किया जायेगा जिसमें अधिकारीों के नामों का उल्लेख, जफेठता क्रम में किया जायेगा जैसी घयन में अवधारणा की जाय।

19. ११। नेपा में अंसी पद पर मौलिक स्व से नियुक्त रखे जाने पर प्रत्येक व्यक्ति जो दो कई भी अधिकृतों के लाए छारेवोक्षा पर जा जायगा।

१२। नियुक्त प्राधिकारी ऐसे जार्णों से जो आमतिथित किये जाएँगे आग-अलग मामलों में पारेवोक्षा अधिकृत को बहुत साला लगता है जिसमें ऐसा दिनांक चिनार्डिंड किया जायगा जब तक उपाधि बदाई जाय।

१३। परन्तु जापवादिक परित्यक्तियों के लियापर वरियोक्षा अधिकृत दो कई तो छाइज और जिती भी व स्थिति में दो कई हैं जाइज नहीं बहायी जायगी।

१४। पदि परिवोक्षा अधिकृत या बहुतायी गयी परियोक्षा अधिकृत के दौरान जिती भी समय पा उसके अन्त में नियुक्त प्राधिकारी जो वह प्रतीत हो कि परिवोक्षाधीन व्यक्ति से अपने अवसरों का पर्याप्त ज्ञानोग नहीं किया है, पा संतोष प्रदान करने में अन्यथा किस तरह है, तो उसको तेवार्ये तमाप्त की जा सकती है।

१५। ऐसा पारेवीदाधीन व्यक्ति, जिसकी तेवार्ये उपनियम(३) के अधीन तमाप्त की जायें, जिती प्रातिकार का उण्डार नहीं होगा।

20. जिती परियोक्ता अधीन व्यक्ति जो पारेवोक्षा अधिकृत या बहुतायी गयी परियोक्षा अधिकृत के अन्त में उलझी नियुक्ति में स्थायी कर दिया जायगा, पदि—

१६। उलझ कार्य और आचरण संतोषजनक पाया जाय;

१७। उलझी तत्परिक्ता प्रमापिता हो दी जाय, और

१८। नियुक्ता प्राधिकारी का वह तमाप्तान हो जाय कि वह हायायी किये जाने के लिए अन्यथा उपयुक्त है।

ज्येष्ठता २१. द्वाडशवर के पदों पर मौलिक स्व से नियुक्त व्यक्तियों की ज्येष्ठता समाप्त-समय पर वा त्वंशोऽवृत उत्तर पुदेश लरदारी तेव्वज ज्येष्ठता नियमावाही, १९९। के अनुसार अवधारणा की जायगी।

प्रेतनमान २२. नेपा में जिती पद पर नियुक्त व्यक्ति जो अनुमन्य व्रेतनमानु ऐसा होगा जैसा तरकार द्वारा सम्पन्नसमय पर अवधारणा किया जाय।

परिवीक्षा
अवधि में
देतन

23. कांडामैल लस्स में जिसी प्रतिकूल उपचय के होते हुए भी, परिवीक्षा-
पीन व्यक्ति दो, यदि वह पहले से स्पायी सरकारी तेवा में न हो, सम्पादन
में उसी प्रथम बैतनबूद्धि तभी दी जाएगी जब उतने सक कई जो तंतोज्ञनक तेवा
पूरी जर ली हो, और द्वितीय बैतनबूद्धि दो कई जो तेवा ऐ प्रचार तभी दी
जाएगी जब उतने परिवीक्षा अवधि पूरी जर ली हो और उसे स्पायी भी जर
दिया गया हो;

परन्तु यदि तंतोप्रदान न जर तकने के कारण परिवीक्षा अवधि बढ़ायी
जाय तो इस प्रजार बढ़ायी गयी अवधि की गणना देतन “है के लिए नहीं की
जाएगी ये तज कि नियुक्ति प्राप्तिकारी अन्यथा निवेश न हो।

दस्तावरोक
पार करने का
मानदण्ड

24. जिसी द्वाढवर जो दस्तावरोक पार जरने की अनुमति नहीं दी जाएगी
जब तज कि उसका लार्य और आधरण तंतोज्ञनक/ब्रतापा जाय और उसकी
सार्थकता प्रभागित न कर दी जाय।

पथ तर्फन

25. तेवा में लागू नियमों के अधीन अपेक्षित लिकारियों ने भिन्न किन्हीं
लिकारियों पर, पाए लिखित हों या भौखिक, विचार नहीं किया जायगा।
जिसी अन्यर्थी जो और ते अपनी गम्यर्थिता के लिए प्रत्येक या अन्यतर स्पष्ट
तर्फन प्राप्त करने का कोई प्रयास उसे नियुक्ति के लिए अनहीं कर देगा।

अन्य विधियों
का विनियमन

26. ऐसे विधियों के सम्बन्ध में जो विनियोगित स्पष्ट नियमावली या
विवेक आदेशों के अन्तर्गत न आते हों, तेवा में नियुक्त व्यक्ति राज्य के कार्य-
कालापों के सम्बन्ध में सेवारत सरकारी तेवदों पर सामान्यतया लागू नियमों,
विनियमों और आदेशों द्वारा नियंत्रित होंगे।

तेवा की शर्त
में विधिलिता

27. जहाँ राज्य सरकार का यह समाधान हो जाय कि तेवा में नियुक्त
व्यक्तियों की तेवा की शर्त को विनियमित करने वाले जिसी नियम के प्रवर्तन
से जिसी विशिष्ट भास्त्रे में उन्नुचित कठिनाई होती है, वहाँ वह उस भास्त्रे
में लागू नियमों में जिसी जात के होते हुए भी, आदेश द्वारा उस नियम की
अपेक्षार्थी जो उस सीमा तक और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जिन्हें वह
भास्त्रे में न्याय हंगत और साम्यान्य रोति से कार्यदाही जरने के लिए आवश्यक
तरफे, अकैमुक्तिया विधिल जर सजती है;

व्यावृति

28. इस नियमावली में किसी शर्त का कोई प्रभाव ऐसे आधरण और
अन्य विधासतों पर नहीं पड़ेगा, जिन्हाँ इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा सम्प-

तमय पर जारी किये क्यों सरकार के प्रादेशों के अनुसार अनुचित जातियों, अनुचित जनजातियों और अन्य धर्मों के लिए उपबन्ध लिया जाना अधिकृत हो।

आज्ञा से,

कालिका प्रसाद
सचिव ।

उत्तर प्रदेश सरकार
 कार्मिक अनुबंध-।,
 तिथा: १३/१२/९३-४८-१/१९९३,
 लखनऊ, दिनांक: १४ :अक्टूबर, १९९३ ।

* दिनांक १४ अक्टूबर, १९९३ को प्रह्यापित "उत्तर प्रदेश सरकारी विभाग ब्राह्मपट तेवा नियमावली, १९९३" की प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ रूप आकारक फार्मार्टी हेतु प्रेषित:-

१. समस्त प्रमुख संघर्ष/स. विशेष संघर्ष, ३०५० शातम् ।
२. समस्त विभागाध्यय/प्रमुख कार्यालयाध्यय, ३०५१ ।
३. तंघिव, राज्यपाल महोदय, ३०५० ।
४. तंघिव, विधाच सभा/विधान परिषद, ३०५० ।
५. समस्त मण्डलायुक्त/जिलाधिकारी, ३०५० ।
६. तंघिव, तोष तेवा आयोग, ३०५० इलाहाबाद ।
७. तंघिव, उधोनत्य तेवा यथन आयोग, ३०५० लखनऊ ।
८. निवेशक, ३०५० प्रशासनिक अफादमी नैनीताल ।
९. संघिवालय के समस्त अनुभाग ।

आशा से,

१३/१२/९३ अ/८०१
 ॥ डाय्झोडीमाहेश्वरी ॥
 विशेष संघर्ष ।

कार्यालय मुख्य अभियन्ता स्तर-1
उत्तरांचल लोक निर्माण विभाग, देहरादून।

पत्र संख्या:- 268 / 7का०प्र०-उत्तरांचल / 2005,

दिनांक— 11.3.2005

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता (गढवाल / कुमायें) क्षेत्र,
लोक निर्माण विभाग, पौड़ी / अल्मोड़ा।

विषय:- नियमित क्लीनर की चालक के पद पर पदोन्नति के सम्बन्ध में।

मुख्य अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग, लखनऊ के पत्र संख्या—6568 डब्लू.सी.
/ 252 डब्लू.सी. / 73.दि०—25.9.79, के अनुसार जो नियमित क्लीनर तीन वर्ष तक वाहन
चालक का कार्य कर चुका है, वह चालक के पद पर पदोन्नति के पात्र हो जाते हैं।

अधीक्षण अभियन्ता 49 वां वि. / यां वृत्त लो०नि० विभाग, देहरादून से प्राप्त
आख्या के अनुसार चालकों के कुल 385 पद स्वीकृत हैं, जिनके विरुद्ध 292 चालक कार्यरत
हैं, इस प्रकार 93 पद चालकों के रिक्त हैं। इन 93 पदों में 89 पद कोटे से भरे जाने हैं, तथा
चार पद सामान्य श्रेणी के अभ्यर्थियों से भरे जाने हैं। सामान्य श्रेणी के रिक्त पद पर
नियमितीकरण हेतु प्रस्ताव अधीक्षण अभियन्ता 49 वां वि० / यां वृत्त लो०नि० विभाग, देहरादून
से मांगे गये हैं। शेष 89 पद आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों से भरे जाने हैं।

नोडल खण्डों एवं अधीक्षण अभियन्ता 29 वां वृत्त वि० / यां० लो०नि० विभाग,
हल्द्वानी से प्राप्त अभिलेखों / सूचना के आधार पर अनुसूचित जाति के नियमित क्लीनर
निम्न हैं:-

क्र. सं.	नाम	पिता का नाम	खण्ड का नाम	नियुक्ति तिथि नियमित में
1	श्री गोपाल राम	श्री चन्द्रीराम	प्रा०ख०डीडीहाट	1.3.80
2	श्री राजकुमार	श्री केशर राम	—तदैव—	1.5.89
3	श्री मवतू	श्री शोभनीय	नि०ख०बडकोट	1.11.91
4	श्री कैलाश	श्री जगजीवन राम	नि०ख०देहरादून	17.6.94
5	श्री लक्ष्मण यास	श्री मरपूर दास	रा०मा०ख०उत्तरकाशी	1.3.95

12/9/2005
16/3

6	श्री ओमप्रकाश	श्री वीर सिंह	नि०ख०टिहरी	13.11.95
7	श्री सुखवीर सिंह	श्री हरनन्द सिंह	प्रा०ख०हरिद्वार	23.11.95
8	श्री गुमान सिंह	श्री दलीप सिंह	अ०ख०चक्रता	23.11.95
9	श्री विजेन्द्र सिंह	श्री सूवा सिंह	प्रा०ख०देहरादून	23.11.95
10	श्री प्रेम सिंह	श्री मूलचन्द	प्रा०ख०लैन्सडौन	22.1.96
11	श्री प्रेमलाल	श्री कुन्दनलाल	अ०ख०थत्यूड	1.4.97
12	श्री बालम सिंह	श्री वर्क सिंह	अ०ख०चक्रता	26.6.97
13	श्री बाली राम	श्री जगतराम	प्रा०ख०नैनीताल	2.1.98
14	श्री रमेश चन्द	श्री सूरत प्रकाश	नि०ख०रानीखेत	20.3.98
15	श्री रमेश चन्द	श्री सूरत प्रकाश	प्रा०ख०लैन्सडौन	21.3.98
16	श्री भगवान दास	श्री गोकुल	प्रा०ख०बागेश्वर	14.10.98
17	श्री जगदीश राम	श्री दीवानी राम	प्रा०ख०रुदपुर	13.11.98
18	श्री जगदीश राम	श्री भवानी राम	नि०ख०नैनीताल	21.11.98
19	श्री कौशल राम	श्री मिठाईराम	अ०ख०ऋषिकेश	5.6.99
20	श्री श्रीचन्द	श्री रतिराम	प्रा०ख०हरिद्वार	6.8.99
21	श्री नन्दलाल	श्री विद्याराम	नि०ख०खटीभा	8.9.99
22	श्री जगदीश राम	श्री नैनराम	प्रा०ख०खटीहाट	4.5.02

अतः आरक्षण कोटा पूर्ण करने हेतु पत्र संख्या—6568डब्लू.सी./252डब्लू.सी.,
दि०—25.9.79, की छाया प्रति इस आशय के साथ संलग्न प्रेषित है कि उपरोक्त सूची के
अनुसार अपने—अपने क्षेत्र में कार्यरत आरक्षित श्रेणी के नियमित क्लीनर जिनके द्वारा तीन
वर्षों तक लगातार चालक का कार्य किया गया हो तथा जिनके पास वैध लाईसेंस हो एवं
चालक का कार्य करने की पूर्ण अहती रखते हो की पदोन्नति चालक के पद पर करते हुए
इस कार्यालय को अवगत कराना सुनिश्चित करें।

संलग्नः—उपरोक्तानुसार प्रमुख अभियन्ता का पत्र।

१०/१०३

प्रभारी मुख्य अभियन्ता स्तर-१
लोक निर्माण विभाग, देहरादून।

लोक निर्माण विभाग, देहरादून।

- ① विभागीय अधिकारी, ५९ काली माला, लोक निर्माण विभाग, देहरादून।
इनकाम प्रेषित,
② प्राप्ति प्रतीक अधिकारी, देहरादून चालक द्वारा युवाभियन्ता-१, काली माला, लोक निर्माण विभाग, देहरादून।

प्रशासनिक अधिकारी-१
मुख्य अभियन्ता स्तर-१
लोक निर्माण उत्तराखण्ड,
देहरादून